नई दिल्ली ■ गुरुवार 04 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 04 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 संकट हरता, सुखकर्ता, कलियुग के देवता हैं हनुमान | 07 तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा भारत | 28 साल बाद फिर साथ आएंगे नागार्जुन और तब्बू 08

कांग्रेस असम में सत्ता में आई तो घुसपैठियों को संरक्षण देने वाला कानून लाएगी: मोदी

बिस्वनाथ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां एक चुनावी जनसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह घुसपैठियों को संरक्षण देने के लिए कानून बनाएगी, जिसे भाजपा और उसके सहयोगी कभी लागू नहीं होने देंगे।

प्रधानमंत्री ने असम के बिस्वनाथ जिले में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर विकास विरोधी, भ्रष्टाचार की जननी और राज्य की पहचान, सुरक्षा तथा सांस्कृतिक विरासत से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए असमिया अस्मिता को दांव पर लगाया और घुसपैठियों को मुख्यधारा में शामिल कर राज्य को नुकसान पहुंचाया। मोदी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि कांग्रेस विकास विरोधी है और आजाद भारत में भ्रष्टाचार की जननी बन चुकी है, लेकिन असम में कांग्रेस ने ऐसे पाप किए हैं, जिनकी कीमत यहां की जनता ने चुकाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के तहत अवैध कब्जों को बढ़ावा दिया, जिससे लाखों बीघा जमीन पर अतिक्रमण हो गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने इन अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हजारों बीघा जमीन मुक्त कराई है और राज्य की विरासत एवं पारिस्थितिकी को पुनर्स्थापित किया है। उन्होंने लाओखोवा और बुरहाचापोरी अभयारण्यों का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय यहां से गैंडे गायब हो गए थे, लेकिन अब उनके संरक्षण के प्रयासों से वे वापस लौट रहे हैं।

मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 'कांग्रेस का सबसे बड़ा पाप घुसपैठियों को संरक्षण देना रहा है। अब वही कांग्रेस सत्ता में आने पर उन्हें बचाने के लिए कानून लाना चाहती है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा और एनडीए इस तरह के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देंगे। विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10-11 वर्षों में असम में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि आज असम के हाई-वे पर लड़ाकू विमान उतर रहे हैं, जो राज्य की बदली हुई तस्वीर को दर्शाता है। उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली अंडरवाटर ट्विन ट्यूब सड़क और रेल सुरंग बनाई जाएगी, जिस पर करीब 18,662 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम कच्चे तेल के उत्पादन में नए रिकॉर्ड बना रहा है और वैश्विक संकट के बीच देश को ऊर्जा के क्षेत्र में मजबूती दे रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क, पुल और रेल नेटवर्क से कृषि, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य असम में 40 लाख 'लखपति दीदी' बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आय बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने बताया कि 22 लाख से अधिक परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं और महिलाओं को घर की मालिक बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। भूमि अधिकारों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मिशन वसुंधरा के तहत 23 लाख से अधिक स्वदेशी परिवारों को जमीन का मालिकाना हक मिला है।

डिब्रूगढ़ के मनोहारी चाय बागान में प्रधानमंत्री मोदी ने तोड़ी चाय की पत्तियां

डिब्रूगढ़ (असम)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार सुबह डिब्रूगढ़ के मनोहारी चाय बागान का दौरा किया, जहां उन्होंने चाय की पत्तियां तोड़कर असम के चाय उद्योग के महत्व को रेखांकित किया। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने चाय बागान की महिला व अन्य श्रमिकों के साथ बातचीत भी की। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों के साथ संवाद करते हुए उनके योगदान की सराहना की। यह संवाद क्षेत्र के चाय बागान श्रमिकों के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, उनकी मजदूरी तथा उनके पास आयुष्मान कार्ड है या नहीं, इसकी जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि चुनावी प्रचार अभियान में भाग लेने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार रात डिब्रूगढ़ पहुंचे। रात 8:40 बजे मोदी मोहनबाड़ी हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद प्रधानमंत्री विशाल काफिले के साथ मोहनबाड़ी हवाई अड्डे से मनोहारी रिजॉर्ट की ओर रवाना हुए। मोदी ने रात मनोहारी रिजॉर्ट में बिताई। प्रधानमंत्री मोदी धेमाजी और लखीमपुर जिले के उम्मीदवारों के लिए चुनावी प्रचार करेंगे।

सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के वकील सरदार एच.एस. फूलका भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के वकील सरदार एच. एस. फूलका बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा मुख्यालय में उन्होंने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं लोकसभा सांसद अनिल बलूनी एवं भाजपा प्रवक्ता सरदार आर. पी. सिंह उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एचएस फूलका का स्वागत करते हुए उन्हें भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई।

मीडिया को संबोधित करते हुए पद्मश्री सरदार एच. एस. फूलका ने पार्टी में शामिल होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया। उन्होंने साल 1984 की भयावह यादों को भी साझा किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 1984 में जो घटनाएं हुईं, वह एक नरसंहार था, योजनाबद्ध तरीके से निर्दोष लोगों की हत्या थी, जिसमें हजारों निर्दोषों की जान गई। सरदार फूलका एवं उनकी पत्नी तो सिख नरसंहार में बच गए, लेकिन उनके अपने परिवार सहित कई लोगों ने दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में अपनों को खोया है।

सरकार फूलका प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, वरिष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता भी हैं और साथ ही उन्होंने बाल अधिकार कार्यकर्ता के रूप में भी बड़े काम किये हैं। उनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि फूलका लंबे समय से मानवाधिकार से जुड़े मामलों में पीड़ितों का पक्ष रखते आये हैं। इस दौरान उन्होंने 70 से अधिक मामलों में कुल 250 से अधिक अपराधियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

4.54 करोड़ की विदेशी मुद्रा सहित तीन लोग गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता में आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 4.54 करोड़ मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की है। इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पार्क स्ट्रीट थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान यह कार्रवाई की गई। आयकर विभाग को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर अधिकारियों ने अभियान चलाया। इस दौरान चार लाख 75 हजार अमेरिकी डॉलर और तीन लाख थाई बहत बरामद किए गए। भारतीय मुद्रा में इनकी कुल कीमत चार करोड़ 54 लाख 82 हजार 500 रुपये आंकी गई।

महाराष्ट्र: ट्रक ने 10 महिला मजदूरों को रौंदा, सात की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के जालना में बुधवार शाम को बड़ा हादसा हुआ। यहां समृद्धि हाईवे पर जनवाड़ी-कदवंची इलाके के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सफाई का काम कर रही 10 महिला मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया।

इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि तीन घायल हो गई हैं। जालना पुलिस घटनास्थल पर राहत और बचाव का कार्य कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये महिलाएं समृद्धि हाईवे पर सफाई का काम कर रही थीं। शाम छह बजे के करीब मुंबई की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने इन महिला मजदूरों को रौंद दिया। इस घटना में सात महिला मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन मजदूर घायल हो गईं। तीनों को तत्काल जालना शासकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

गांदरबल में एक आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर। सेना ने बुधवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रात भर चली मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है।

क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने मंगलवार रात गांदरबल जिले के अरहामा इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पोस्ट में बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गांदरबल के अरहामा क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। सेना ने कहा कि तलाशी के दौरान सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी।

चुनौती मिलने पर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी और हमारे सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की। सेना ने लिखा कि रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी के बीच घेराबंदी को रणनीतिक रूप से पुनर्गठित किया गया और सैनिकों ने सुनियोजित जवाबी कार्रवाई करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया।

कोलकाता में ईडी का छापा, कारोबारी 'सोना पप्पू' के ठिकानों पर कार्रवाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले ईडी ने एक बार फिर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बुधवार सुबह कोलकाता के कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी अभियान चलाया गया। इनमें दक्षिण कोलकाता के कसबा इलाके के कारोबारी विश्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू का आवास भी शामिल है।

भारत ने चीन-पाकिस्तान सीमाओं पर बदले सैन्य कमांडर, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

मल्टी-डोमेन ऑपरेशन, ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम जैसी खास टेक्नोलॉजी पर होगा फोकस

नई दिल्ली। भारत ने चीन और पाकिस्तान सीमाओं पर अपने सैन्य कमांडर बदल दिए हैं। पाकिस्तान बॉर्डर को कवर करने वाली वेस्टर्न कमांड की कमान लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र पाल सिंह ने संभाली है।

इसी तरह चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रखवाली करने वाली ईस्टर्न कमांड की कमान लेफ्टिनेंट जनरल वीएमबी कृष्णन ने संभाल ली है। दोनों सेना कमांडरों की नियुक्तियों से सेना मल्टी-डोमेन ऑपरेशन, ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम जैसी खास टेक्नोलॉजी को शामिल करने, इंटेलिजेंस से चलने वाले ऑपरेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर फोकस करना जारी रखेगी। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र पाल सिंह अभी तक वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ थे। उन्होंने आज वेस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के तौर पर कमान संभाली है। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार की जगह ली है, जो 31 मार्च को रिटायर हुए थे। पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्सेज) के ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र पाल सिंह को दिसंबर 1987 में पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्सेज) की चौथी बटालियन में कमीशन मिला था।

वे देहरादून के भारतीय सैन्य अकादमी और लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। जनरल ऑफिसर ने चंडीमंदिर मिलिट्री स्टेशन में वेस्टर्न कमांड वॉर मेमोरियल पर बहादुरों को श्रद्धांजलि दी और गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। लगभग चार दशकों के करियर में जनरल ऑफिसर ने कई तरह के कमांड और स्टाफ नियुक्तियां संभाली हैं।

संक्षिप्त खबरें

बेकाबू ट्रक से कुचलकर बाइक सवार की मौत

दादरी। लुहारली टोल प्लाजा के समीप मंगलवार की सुबह बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। आरोपी चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। इस मामले में युवक के भाई ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। दादरी कोतवाली पुलिस के मुताबिक मूलरूप से अलीगढ़ के नगला बाग गांव का रहने वाला रिंकू मंगलवार की सुबह बाइक पर सवार होकर नोएडा आ रहा था। वह लुहारली टोल प्लाजा के समीप पहुंचा तो एक बेकाबू ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल रिंकू को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में रिंकू के भाई दिनेश ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है। आरोपी चालक को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर आज कई कार्यक्रम होंगे

नोएडा। हनुमान जयंती पर गुरुवार को शहर के मंदिरों सहित अन्य स्थानों पर सुंदरकांड पाठ, अखंड रामायण, भंडारा और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। इसके लिए मंदिरों में सजावट और प्रसाद वितरण के साथ धार्मिक कार्यक्रमों के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।सेक्टर-135 स्थित श्रीसिद्धपीठ यमुनेश्वर बालाजी धाम में बुधवार को अखंड रामायण पाठ शुरू हो चुका है। इसका समापन गुरुवार को होगा। इसके बाद भंडारे का आयोजन होगा। सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर में बुधवार को महिला मंडल ने भजन-कीर्तन किए।

ग्रेटर नोएडा -हापुड़ के बीच बस चलाने की मांग

ग्रेटर नोएडा। दादरी आर्य प्रतिनिधि सभा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ग्रेटर नोएडा के परी चौक से दादरी एनटीपीसी होते हुए हापुड़ तक बस सेवा शुरू कराने की मांग की है। जिला उपाध्यक्ष डॉ आनंद आर्य ने बताया कि इस रूट पर जिला मुख्यालय के लिए कोई सीधी बस सेवा नही है। इसके कारण क्षेत्र के लोग डग्गामार वाहनों पर निर्भर हैं। इससे उनका समय और धन अधिक खर्च होता है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा से दादरी होकर हापुड़ के लिए बस सेवा शुरू करने की मांग की। इससे नोएडा और हापुड़ मुख्यालय के बीच सीधा जुड़ाव हो जाएगा और लोगों को भी सहूलियत मिलेगी।

हादसों में महिला समेत चार लोग घायल

नोएडा। शहर में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में चार लोग घायल हो गए। उनको अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिहार के जिला औरंगाबाद निवासी रंजीत कुमार ने सेक्टर-24 थाना पुलिस को बताया कि पत्नी निधि कुमारी अस्पताल में भर्ती थीं। वह उन्हें देखने के लिए 26 सितंबर की रात करीब 9.30 बजे साली अंजली को बाइक पर बैठाकर जा रहे थे। सेक्टर-35 स्थित मोरना गांव के पास दिल्ली नंबर की कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसें में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार कराने के बाद मुकदमा दर्ज कराया। वहीं, फरीदाबाद के सेक्टर-91 स्थित सूर्या विहार निवासी मुकेश ने फेज-1 थाने की पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 28 मार्च को नोएडा से घर लौट रही थी। वह स्कूटी पर बैठी थी और स्कूटी को शुभम चला रहा था। सेक्टर-15ए के गेट के सामने उत्तर प्रदेश नंबर की कार ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनों को गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का कहना है कि उनकी बेटी के अस्पताल में तीन ऑपरेशन हुए हैं। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

चोरी करते कर्मचारियों को दबोचकर पुलिस के हवाले किया

नोएडा। सेक्टर-132 स्थित कंपनी परिसर से तार चोरी कर रहे दो कर्मचारियों को सुरक्षा प्रबंधन ने पकड़ा। दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी पूर्व में भी कंपनी से सामान की चोरी कर चुके हैं। पुलिस को दी शिकायत में हैबतपुर गांव निवासी नंद किशोर ने बताया कि सेक्टर 132 स्थित मायकोन्स कंपनी में वह बतौर सुरक्षा प्रबंधक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कंपनी परिसर में पावर टेक कंपनी तार डालने का काम कर रही है। परिसर के अंदर से लगातार तार व सामान चोरी हो रहा था। मामले की जब पूरी जांच की गई तो कंपनी के दो कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई। दोनों पर निगरानी रखी जाने लगी। उनकी हर गतिविधि पर नजर रही। कंपनी में काम करने वाले कर्मी गाजियाबाद खोड़ा के रहने वाले अर्जुन और अनूप मंगलवार को कापर के दो बंडल तार चोरी कर बाहर ले जा रहे थे। नंद किशोर ने दोनों को पकड़ लिया। नंद किशोर का कहना है कि पूर्व में चोरी हुए तार व सामान को भी दोनों ने ही चुराया है। नंद ने दोनों को पुलिस के हवाले कर मामले की शिकायत की। पूरे घटनाक्रम की सीसीटीवी फुटेज भी शिकायतकर्ता ने पुलिस को उपलब्ध कराई है। दावा है कि आरोपी फुटेज में वारदात करते हुए दिख रहे हैं।

हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में ध्वज यात्रा निकाली

ग्रेटर नोएडा। बादलपुर थाना क्षेत्र में श्री बालाजी हनुमान महोत्सव के अवसर पर बुधवार को भव्य ध्वज यात्रा निकाली गई। यह यात्रा जीटी रोड से शुरू होकर सादोपुर झाल स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर तक गई। भक्तों ने हाथों में ध्वज लेकर जय श्री राम और हनुमान जी के जयकारों से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। कई स्थानों पर जलपान और प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई। धार्मिक आयोजन को देखते हुए थाना बादलपुर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए।

बाराही मेला-2026 का भव्य आगाज

हवन-यज्ञ और ध्वजारोहण के साथ गूंजा ग्रामीण संस्कृति का रंग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर क्षेत्र में हर वर्ष आयोजित होने वाला प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2026 इस बार भी पूरे उल्लास, श्रद्धा और पारंपरिक वैभव के साथ शुरू हो गया। 1 अप्रैल 2026, बुधवार को मेले का विधिवत शुभारंभ हवन-यज्ञ और ध्वजारोहण के साथ किया गया, जिसने पूरे क्षेत्र को धार्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। इस भव्य आयोजन ने एक बार फिर ग्रामीण संस्कृति और आस्था की गहराई को जीवंत कर दिया।

मेले की शुरुआत प्रातः 10 बजे हवन-यज्ञ के आयोजन से हुई, जिसे आचार्य सुमित शुक्ला द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आहुति दी और मां बाराही का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से भर गया, जिससे लोगों में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। सायं 4 बजे शिव मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा ध्वजारोहण कर मेले का औपचारिक उद्घाटन किया गया। समिति के अध्यक्ष चौधरी धर्मपाल भाटी, महासचिव ओमवीर सिंह बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल और मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा सहित कई गणमान्य लोग इस अवसर

पर उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के साथ ही मेले की शुरुआत की घोषणा की गई और पूरा परिसर उत्साह से गूंज उठा। बाराही मेला-2026 में इस बार पारंपरिक चौपाल विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

यहां पर विशाल खाट, बड़ा हुक्का, पारंपरिक पीढ़ा, बैलगाड़ी और कृषि उपकरणों का प्रदर्शन किया गया है, जो ग्रामीण जीवन की झलक को दर्शाता है। यह दृश्य युवाओं और बच्चों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन गया है, जो आधुनिक जीवन से दूर ग्रामीण परंपराओं को करीब से देख रहे हैं। मेले में राजस्थान से आए कलाकारों ने अपनी लोक प्रस्तुतियों से लोगों का दिल जीत लिया।

कच्ची घोड़ी नृत्य, बीन पार्टी और नगाड़ा पार्टी की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इन प्रस्तुतियों ने मेले में सांस्कृतिक रंग भरते हुए ग्रामीण भारत की समृद्ध विरासत को मंच पर जीवंत कर दिया। रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से होगी, जिसके बाद विभिन्न कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। हास्य, रागनी और लोकगीतों के कार्यक्रम मेले की शोभा को और बढ़ाएंगे। शेखचिल्ली और रूखसाना एंड पार्टी के कलाकारों की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी, जिसमें हास्य और मनोरंजन का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा।

मेले का सबसे बड़ा आकर्षण 13 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाला भव्य दंगल होगा। इसमें देशभर से आए पहलवान हिस्सा लेंगे और अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। दंगल में 101 रुपये से लेकर 10,51,000 रुपये तक के इनाम रखे गए हैं, जो इसे और भी खास बनाते हैं। यह आयोजन पारंपरिक खेलों के प्रति लोगों की रुचि को बढ़ाने का एक बड़ा माध्यम है।

मेले में बच्चों और परिवारों के लिए विशेष मनोरंजन की व्यवस्था की गई है। कठपुतली शो, नट कला, मौत का कुआं, सर्कस, जादूगर शो और विभिन्न प्रकार के झूले लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ नजर आ रहा है।

200 से अधिक स्टॉल, खरीदारी का शानदार मौका

मेले में लगभग 200 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां खाने-पीने की चीजों से लेकर घरेलू उपयोग के सामान तक उपलब्ध हैं। महिलाएं और परिवार यहां जमकर खरीदारी कर रहे हैं। स्थानीय व्यापारियों के लिए भी यह मेला एक बड़ा अवसर बनकर सामने आया है।

चमत्कारिक सरोवर बना आस्था का केंद्र

मेले के दौरान स्थित चमत्कारिक सरोवर में स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से चर्म रोगों से मुक्ति मिलती है। यह आस्था लोगों को दूर-दूर से यहां खींच लाती है और मेले को धार्मिक महत्व प्रदान करती है।

संस्कृति को जीवित रखने का प्रयास

शिव मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का एक प्रयास है। हर वर्ष यह मेला लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करता है और सामाजिक एकता को मजबूत बनाता है।

कंपनी प्रबंधक लाखों रुपये की हेराफेरी कर भागा

नोएडा। सेक्टर-4 स्थित प्लाई कंपनी के प्रबंधक पर लाखों रुपये की हेराफेरी कर फरार होने का आरोप लगा है। कंपनी मालिक की शिकायत पर फेज-1 थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेनो वेस्ट निवासी मोहित स्वामी ने पुलिस को बताया कि उनकी सेक्टर-4 में परफैक्ट प्लाई डेकोर नाम से कंपनी है। कंपनी में राजस्थान अलवर निवासी अरविंद सिरोहीवाल पिछले करीब सात साल से प्रबंधक था। हाल ही में कंपनी के खातों और स्टाफ का ऑडिट कराया गया, जिसमें गड़बड़ी सामने आई। जांच में पता चला कि प्रबंधक कुछ ग्राहकों से कंपनी के ट्रेडिंग के रुपये सीधे अपने निजी खाते में मंगवा रहा था। आरोप है कि प्रबंधक ने कुछ ग्राहकों से नगद भी लिया और जिसे कंपनी के खाते में जमा नहीं किया। जब कंपनी मालिक ने इस बारे में अरविंद सिरोहीवाल से पूछताछ की, तो उसने गलती स्वीकार कर ली। इसका उनके पास वीडियो भी है।कंपनी मालिक का कहना है कि पूछताछ के अगले दिन आरोपी फरार हो गया। वह कंपनी का सिम कार्ड भी ले गया। वह दो लाख सात हजार 850 रुपये और पहले से लिए एक लाख 46 हजार 500 रुपये एडवांस ले गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी के दूसरे भाई की ओर से फोन पर धमकी दी जा रही है। आरोपी अपना पुराना मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया है।

पुलिस ने साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत कमिश्नरेट पुलिस ने बुधवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। उन्हें हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। मिशन शक्ति टीम ने महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के बारे में भी बताया। महिलाओं को बताया गया कि अगर वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान कर रहा है तो कैसे शिकायत करनी है। अभियान के तहत छात्राओं को जूडो-कराटे का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस से पहले गौतमबुद्धनगर में संगठन ने भरी हुंकार

ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस (6 अप्रैल) को लेकर तैयारियां अब तेज हो गई हैं। इसी क्रम में एक अप्रैल 2026 को भाजपा जिला गौतमबुद्धनगर कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यशाला का नेतृत्व जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने किया, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता मौजूद रहे।

बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य और सैकड़ों वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम पूरी तरह संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन में बदल गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रमोद गुप्ता ने स्पष्ट कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस इस बार सिर्फ औपचारिक कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि इसे हर बूथ स्तर पर भव्य और प्रभावी तरीके से मनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर पार्टी की नीतियों, विचारधारा और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को स्थापित हुई भाजपा ने अपने संघर्ष और संगठनात्मक ताकत के दम पर आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनने का गौरव हासिल किया है। अपने संबोधन में प्रमोद गुप्ता

ने पार्टी की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा ने सिर्फ 2 सांसदों से शुरुआत कर आज 303 सांसदों तक का सफर तय किया है, जो कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने बताया कि जनसंघ की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए भाजपा ने जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुंच बनाई है और लोगों के जीवन स्तर को सुधारने का कार्य किया है।

संगठन की मजबूती ही असली ताकतः जिलाध्यक्ष

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह बैठक केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में संगठन के इतिहास, संघर्ष और कार्यशैली पर विशेष चर्चा की गई, ताकि कार्यकर्ता पार्टी की जड़ों और विचारधारा को गहराई से समझ सकें। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पार्टी की रीति-नीति और सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने का काम करें, जिससे संगठन और अधिक मजबूत हो सके।

नहीं शुरू हुआ चाइल्ड पीजीआई में मरम्मत का काम

नोएडा। आंशिक बजट आने के दो महीने बीत जाने के बाद बाल चिकित्सालय में मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका। बेसमेंट में पानी का रिसाव जारी है। पिछले सात सालों से हो रही इस परेशानी से कई बार मरीजों का इलाज प्रभावित हुआ है।जनवरी के अंत में बाल चिकित्सालय मरम्मत के लिए प्रारंभिक राशि दो करोड़ रुपये शासन ने जारी किए थे। इसकी जानकारी बाल चिकित्सालय प्रबंधन ने निर्माण एजेंसी और निगरानी एजेंसी को दे दी। इसके बावजूद काम शुरू नहीं हुआ है। अगले दो महीनों तक यही स्थिति रही तो दिक्कत और बढ़ सकती है। बारिश के मौसम में बेसमेंट के अलावा प्रथम तल, और द्वितीय तल पर भी सीलन आती है। इस स्थिति में ऑपरेशन सहित अन्य कार्य प्रभावित होते हैं। बाल चिकित्सालय प्रबंधन 2019 से मरम्मत के लिए शासन से मांग कर रहा है। अस्पताल के मुख्य भवन की मरम्मत के लिए शासन ने 27 करोड़ के बजट प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए आंशिक राशि भी जारी कर दी है। बाल चिकित्सा एवं स्नातकोत्तर संस्थान के निदेशक डॉ. एके सिंह ने बताया कि शासन से मिले बजट की जानकारी निर्माण एजेंसी को दे दी गई थी। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

मजदूरों ने मनाया काला दिवस,श्रम संहिता की जलाई प्रतियां, सौंपा ज्ञापन

नोएडा। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं स्वतंत्र फेडरेशनों के संयुक्त आह्वान पर बुधवार को गौतमबुद्ध नगर में मजदूर वर्ग ने 'काला दिवस' मनाते हुए केंद्र सरकार की श्रमिक-विरोधी चार श्रम संहिताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिले के कारखानों, औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और संस्थानों में मजदूरों, कर्मचारियों तथा यूनियन कार्यकर्ताओं ने काले बैज और काली पट्टी बांधकर काम किया और लंच

अवकाश में गेट मीटिंग, नारेबाजी व प्रदर्शनों के माध्यम से अपना आक्रोश जताया। इस दौरान कई जगहों पर श्रम संहिता की प्रतियां जलाई गई।

जनपद में मजदूर वर्ग ने 'काला दिवस' मनाते हुए अनमोल इंडस्ट्रीज उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा पर सीटू नेता मुकेश कुमार राघव, रामस्वारथ और गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में विरोध सभा हुई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रमिक शामिल हुए। हनुमान मंदिर, ग्राम नवादा ग्रेटर नोएडा से ग्रेटर नोएडा माली एवं सफाई कामगार यूनियन ने जुलूस निकालकर डीएलसी कार्यालय पर धरना दिया। यूनियन अध्यक्ष टीकम सिंह और महामंत्री रामकिशन के नेतृत्व में मजदूरों ने न्यायालय के आदेशानुसार ड्यूटी पर वापसी और बकाया वेतन भुगतान की मांग का ज्ञापन सौंपा। नोएडा के सेक्टर 12-22 में रिक्शा चालकों ने जनवादी महिला समिति की नेता रेखा चौ हान, गुड़िया देवी और सीटू नेता रामस्वारथ के नेतृत्व में जुलूस निकाला और सेक्टर-19 स्थित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय पर किराया वृद्धि व अन्य समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया।

श्रम कार्यालय सेक्टर-3 नोएडा पर विभिन्न ट्रेड यूनियनों का संयुक्त प्रदर्शन हुआ। इसे सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य महासचिव कामरेड पीवी अनियन, टीयूसीआई नेता उदय चंद्र झा, ऐक्टू नेता अमर सिंह, यूपीएलएफ नेता राम नरेश यादव, इंटक नेता संतोष तिवारी तथा सीटू नेता रामस्वारथ, गंगेश्वर दत्त शर्मा आदि ने संबोधित किया। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने श्रम संहिताओं की प्रतियां जलाकर इन्हें लागू न होने देने की शपथ ली और उपश्रमायुक्त के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार को ज्ञापन सौंपा।

स्कूल से कारोबार का हुनर सीख रहे छात्र

ग्रेटर नोएडा। छात्र आज के दौर में केवल किताब तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि विद्यालय स्तर से ही स्टार्टअप की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। सरकारी और निजी विद्यालयों में छात्रों को उद्यमिता और स्टार्टअप से जुड़ी शिक्षा दी जा रही है। इसके जरिए खुद का कारोबार शुरू करने की बारीकियां सीख रहे हैं।सरकार की नीति को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में छात्रों को उद्यमी के तौर पर तैयार किया जा रहा है, ताकि वह आगे चलकर खुद अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। अपर प्राइमरी विद्यालयों में कक्षा छठी, सातवीं और आठवीं के छात्रों को लर्निंग बाय डूइंग आधारित शिक्षा दी जा रही है।

इसके तहत जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग ने करीब 31 अपर प्राइमरी विद्यालयों में लैब तैयार की है। यहां पर विशेषज्ञ आकर छात्रों को रोजगार संबंधित शिक्षा दे रहे हैं। इस लैब में छात्रों को गेमिंग, कोडिंग, ऐप बनाना, मशीनरी से जुड़ी जानकारी दी जा रही है, ताकि छात्र आगे चलकर खुद से अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए तैयार हो सकें। वही, 9 से 12वीं तक के छात्रों को भी रोजगार संबंधित शिक्षा दी जा रही है। इसके लिए विषय में एंटरप्रेन्योरशिप अपर प्राइमरी विद्यालय में छात्रों को रोजगार संबंधित शिक्षा देने के लिए लर्निंग बाय डूइंग पर आधारित लैब विकसित की गई है, फिलहाल 31 लैब बनाई गई है। जिन्हें वर्ष 2026 में बढ़ाया जाएगा।

- राहुल पंवार, बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम बुद्ध नगर

को शामिल किया गया है। गौर इंटरनेशनल स्कूल की कोऑर्डिनेटर गुंजन ने बताया कि यहां के छात्रों ने खुद का स्टार्टअप भी शुरू किया है। छात्र अगरबत्ती, मोमबत्ती, मखाने और अन्य ड्राई फ्रूट जैसे उत्पाद ऑनलाइन बेच रहे हैं। इस पहल से उन्हें मुनाफा भी हो रहा है। व्यवसाय की बारीकियों को समझने का मौका मिल रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में स्कूल प्रशासन भी छात्रों का सहयोग कर रहा है।

स्पर्श ग्लोबल स्कूल के छात्र सार्थक गर्ग ने बताया कि स्कूल में हमें ऐप बनाना, कोडिंग और गेमिंग जैसी चीजें सिखाई जा रही हैं। इससे हमें नई तकनीक समझने में मदद मिल रही है। आगे चलकर मैं भी अपना स्टार्टअप शुरू करना चाहता हूं, ताकि खुद का काम कर सकूं और दूसरों को भी रोजगार दे सकूं।

आईसीएआर ने कृषि को विज्ञान, नवाचार और समाधान से जोड़ा : सीएम रेखा गुप्ता

आईसीएआर ने अन्नदाताओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने देश के अन्नदाताओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस संस्थान ने खेतों को प्रयोगशालाओं से जोड़ते हुए हरित क्रांति से लेकर आधुनिक तकनीकों तक भारत की खेती को नई दिशा दी है और खाद्य सुरक्षा व आत्मनिर्भरता को मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में आयोजित 122वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने इस अवसर पर देश के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी विशेषज्ञों को नमन करते हुए संस्थान को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'खाद्यान्न, पोषण और आजीविका सुरक्षा के लिए उन्नत फसल किस्में' और 'प्रिसिशन फ्लोरिकल्चर व लैंडस्केप डिजाइन' पर आधारित पुस्तकों का विमोचन भी किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के

कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सचिव एवं महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संस्थान में लगी प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने नई कृषि तकनीकों, शोध आधारित नवाचार और आधुनिक खेती के मॉडलों को देखा, वैज्ञानिकों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए अधिक वृक्षारोपण, वर्टिकल गार्डनिंग, जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन करने पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों, संस्थानों और समुदायों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। साथ ही पीपल, नीम, बरगद और आम जैसे देशी वृक्षों को प्राथमिकता देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने पहली बार रिज क्षेत्र के लगभग 4200 हेक्टेयर को अधिसूचित कर हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाया है और आईएआरआई से मिट्टी की उर्वरता, शहरी हरियाली एवं वैज्ञानिक पौधरोपण के लिए सहयोग मांगा है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों से जल स्तर सुधार, कृषि विकास और शहरी खेती को बढ़ावा देने में योगदान देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार किसानों, कृषि अनुसंधान और तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी ताकि देश के अन्नदाताओं को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली के पारंपरिक जल स्रोत जैसे पहले जिन जोहड़ और तालाबों के रूप में जाने जाते थे और आज 'वॉटर बॉडीज' कहलाते हैं उनका संरक्षण और पुनर्जीवन बेहद जरूरी है। इससे दिल्ली के जल

स्तर और पानी की गुणवत्ता में सुधार होगा। पिछले कुछ वर्षों में रासायनिक उर्वरकों के अधिक इस्तेमाल से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर असर पड़ा है, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में किसान तेजी से जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। दिल्ली के किसान भी ऑर्गेनिक खेती अपना रहे हैं, जो एक अच्छा संकेत है। उन्होंने यह भी कहा कि ऑर्गेनिक उत्पादों को सही कीमत मिलनी चाहिए ताकि किसानों को प्रोत्साहन और आर्थिक मजबूती मिल सके। 'हरित दिल्ली' के लक्ष्य के तहत मुख्यमंत्री द्वारा उठाए जा रहे कदमों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे किसानों और पर्यावरण दोनों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि शहरीकरण बढ़ने के बावजूद दिल्ली में करीब 50 हजार हेक्टेयर जमीन पर अब भी खेती हो रही है और किसानों का योगदान बेहद अहम है। सरकार लगातार किसानों का समर्थन कर रही है, जिससे वे नई तकनीक और टिकाऊ खेती अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि मिलकर प्रयास करने से दिल्ली को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाया जा सकता है।

दिल्ली के महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा बढ़ायी गयी

नई दिल्ली। दिल्ली के सिविक सेंटर स्थित महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और सिविक सेंटर परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि सामने नहीं आई। आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी भरा ई-मेल मिलने के तुरंत बाद कमला मार्केट थाना पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड के साथ मिलकर सिविक सेंटर में सघन तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान परिसर के हर कोने को बारीकी से खंगाला गया। पुलिस टीम ने पार्किंग एरिया, बेसमेंट, मेयर कार्यालय सहित अन्य सभी दफ्तरों में क्रमवार जांच की। सुरक्षा एजेंसियों ने किसी भी संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए पूरी प्रक्रिया को बेहद सावधानी और व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया। कई घंटों तक चली इस जांच के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि सामने नहीं आई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शुरुआती जांच में यह धमकी अफवाह या शरारती तत्व की करतूत प्रतीत हो रही है। हालांकि, ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर स्तर पर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद सिविक सेंटर की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों को विशेष रूप से ब्रीफ किया गया है और सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें परिसर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सख्ती से जांच करने, बिना सत्यापन के प्रवेश न देने और सीसीटीवी कैमरों के जरिए लगातार निगरानी रखने को कहा गया है। इसके अलावा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को देने के निर्देश भी जारी

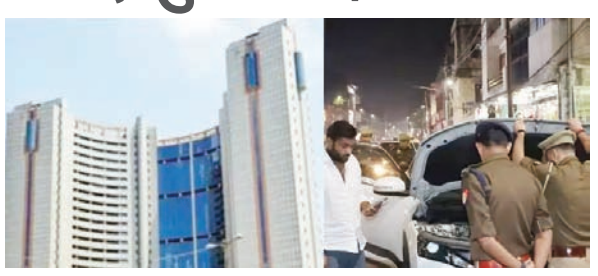

किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा चुके हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। फिलहाल सिविक सेंटर में कामकाज सामान्य रूप से जारी है।उधर, दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने इस धमकी को लेकर चिंता जतायी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चार इंजन की सरकार होने के बाद भी शहर के प्रथम नागरिक भी सुरक्षित नहीं। नारंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि चार इंजन सरकार में दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था फेल हो गई है, दिल्ली महापौर तक सुरक्षित नहीं। उल्लेखनीय है कि इसके पहले हाल ही में दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। यह धमकी भरा मेल विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही के बीच आया था। धमकी भरा मेल मिलते ही दिल्ली पुलिस और डॉग स्क्वाड की टीम ने विधानसभा परिसर की गहन जांच की थी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

फर्जी नो-एंट्री पास पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सख्त, दो मामलों में एफआईआर

नई दिल्ली। राजधानी में फर्जी नो-एंट्री परमिट के इस्तेमाल पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पिछले दो हफ्तों में पूर्वी और मध्य ट्रैफिक रेंज में ऐसे दो मामले सामने आए हैं, जिनमें व्यावसायिक वाहन फर्जी पास के साथ चलते पाए गए। दोनों मामलों में क्रमशः गोकुलपुरी और वजीराबाद थानों में एफआईआर दर्ज कर वाहनों को जब्त कर लिया गया है। ट्रैफिक जोन-I की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजयांता गोयल आर्य ने बुधवार को बताया कि नो-एंट्री परमिट 32 श्रेणियों के वाहनों को जारी किया जाता है, जिनमें दूध, फल-सब्जी, खाद्यान्न, मांस, जमे हुए खाद्य पदार्थ, दवाइयां, ऑक्सीजन, एलपीजी, पानी और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े वाहन शामिल हैं। इन वाहनों को निर्धारित शर्तों के तहत ही शहर में प्रवेश की अनुमति दी जाती है। उन्होंने बताया कि कुछ वाहन चालक अवैध एजेंटों और दलालों के जरिए फर्जी पास बनवाकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल गंभीर अपराध है, जिसमें वाहन जब्ती के साथ आपराधिक मामला दर्ज किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस तीन प्रकार के नो-एंट्री पास जारी करती है। वार्षिक पास एक वर्ष के लिए वैध होता है, जिसकी आवेदन फीस 200 रुपये और पास शुल्क 500 रुपये है, जो केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जारी किया जाता है। अस्थायी पास तीन माह तक के लिए बिना शुल्क के ऑनलाइन जारी होता है, जबकि शॉर्ट टर्म पास एक सप्ताह तक के लिए संबंधित ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त कार्यालय से ऑफलाइन जारी किया जाता है। पुलिस ने बताया कि पास जारी करने में वाहन की श्रेणी, ईंधन मानक, रूट और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाता है। 10 साल से पुराने डीजल वाहनों को अनुमति नहीं दी जाती और सीएनजी व बीएस मानक वाले वाहनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अवैध हथियारों के साथ दो बदमाश दबोचे

नई दिल्ली। पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने अवैध हथियारों के साथ घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, बटनदार चाकू और एक कार बरामद की गई है। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को बताया कि हाल के दिनों में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को देखते हुए जिले में विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और खुफिया सूचना के आधार पर टीम को पता चला कि कुछ युवक हथियारों के साथ इलाके में घूम रहे हैं और किसी वारदात की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर जितेंद्र मलिक के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया और संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली। कार में सवार दोनों युवकों को मौके पर ही दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध हथियार बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान

विशाल उर्फ तुस्सू (20) निवासी त्रिलोकपुरी और अनुराग उर्फ बुधी (21) निवासी कल्याणपुरी के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों किसी संगीन अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से उनकी साजिश नाकाम हो गई। इस संबंध में पांडव नगर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपितों को हथियार कहां से मिले और इनके पीछे कौन सा गिरोह सक्रिय है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

उपराज्यपाल ने द्वारका में चल रही डीडीए परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को द्वारका में चल रही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्र के दौरे के दौरान द्वारका में आयोजनों, व्यापार और संस्कृति के लिए एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने की अपार क्षमता को रेखांकित किया। यह जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट एक्स 'लोक निवास दिल्ली' पर साझा की गई है। उपराज्यपाल ने दौरे के दौरान क्षेत्रों में बारिश के पानी की निकासी, हरित स्थानों के विस्तार, यूईआर-II के साथ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इनेबल्ड सर्विसेज (आईटीईएस) केंद्रों के विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यशोभूमि और गोल्फ कोर्स जैसी ऐतिहासिक संपत्तियों को विश्व स्तरीय शहरी अवसंरचना के आधार के रूप में उजागर किया गया। उपराज्यपाल ने द्वारका की रणनीतिक कनेक्टिविटी और तेजी से विकसित हो रहे पारिस्थितिकी तंत्र पर जोर दिया। उन्होंने दिल्ली में

वैश्विक संस्थानों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को आकर्षित करने के लिए एक समग्र और समयबद्ध रोडमैप का आह्वान किया। इसके साथ ही नागरिक-केंद्रित, उच्च गुणवत्ता और टिकाऊ शहरी विकास सुनिश्चित करने भी बल दिया। उपराज्यपाल ने दौरे के दौरान अप्रत्याशित रूप से मेट्रो सफर को छोड़कर एक स्थानीय भोजनालय में पहुंचे और आर्मी कप में घुड़सवारी पदक जीतने के बाद जश्न मना रहे छोटे बच्चों के साथ भोजन किया।

ऑपरेशन 'कवच-13.0: 48 घंटे में 3211 ठिकानों पर छापे, 267 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी में नशे के कारोबार और संगठित अपराध के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन कवच-13.0' के तहत अब तक की सबसे व्यापक कार्रवाई को अंजाम दिया। 29 मार्च शाम 6 बजे से 31 मार्च शाम 6 बजे तक लगातार 48 घंटे चले इस विशेष अभियान में दिल्ली के सभी 15 जिलों, क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल की संयुक्त टीमों ने 3211 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 229 एनडीपीएस मामलों में 267 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किए गए। क्राइम ब्रांच के विशेष पुलिस आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया कि इस ऑपरेशन में 100 किलो गांजा, 1.17 किलो कोकीन, 260.65 ग्राम हेरोइन, 179.11 ग्राम एमडीएमए, 57 ग्राम एम्फेटामाइन, 2019 बुप्रेनोर्फिन टैबलेट और 183 फेनिरामाइन इंजेक्शन बरामद किए गए। साथ ही 16,070 रुपये नकद भी जब्त किए गए। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 416 मामलों में 429 लोगों को पकड़ा गया, जिनके पास से 77,271 क्वार्टर, 754 शराब की बोतलें, 334 बीयर बोतलें, 143 बीयर कैन और 200 ई-सिगरेट बरामद की गईं। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने के आरोप में 2993 लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। आर्म्स एक्ट के तहत 254 मामलों में 259 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से 19 पिस्टल, 42 देसी कट्टे, 79 जिंदा कारतूस और 191 चाकू बरामद किए। जुआ अधिनियम के तहत 296 मामलों में 528 लोगों को गिरफ्तार कर 10.28 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। इसके अलावा 59 घोषित अपराधियों और 42 ऑटो लिफ्टरों को दबोचकर 73 वाहन बरामद किए गए, जबकि 3545 वाहनों को जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने निवारक कार्रवाई के तहत 1374 लोगों को गिरफ्तार किया और 5359 को एहतियातन हिरासत में लिया। इसी क्रम में 5691 हिस्ट्रीशीटरों की जांच की गई और 7971 लोगों पर तंबाकू नियंत्रण कानून (चोपटा) के तहत कार्रवाई की गई। 134 हॉटस्पॉट चिन्हित कर कार्रवाई की गई। वहीं 760 स्थानों पर कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन चलाकर 843 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान के दौरान पिछले तीन वर्षों में दर्ज 4219 नार्को अपराधियों की भी जांच की गई, जिनमें से 1494 मौके पर मिले, 352 न्यायिक हिरासत में पाए गए। जबकि 14 फरार मिले।

रोहिणी में ड्रग्स सिंडिकेट पर बड़ा प्रहार: नाइजीरियन महिला गिरफ्तार, 1.25 करोड़ की कोकीन बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। रोहिणी जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड (ANS) की टीम ने एक नाइजीरियन महिला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 109.04 ग्राम कोकीन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपये बताई जा रही है।रोहिणी जिले के डीसीपी शशांक जसवाल ने बताया कि यह कार्रवाई 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड की टीम, इंस्पेक्टर पंकज कुमार के नेतृत्व में और एसीपी ऑप्स अजीमेर सिंह के पर्यवेक्षण में किया है। टिम लगातार इलाके में ड्रग्स सप्लायरों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान 31 मार्च को एक पुख्ता गुप्त सूचना मिली कि साउथ रोहिणी इलाके

में एक ड्रग्स सप्लायर सक्रिय है। सूचना के आधार पर टीम का गठन कर सेक्टर-3 स्थित फिश मार्केट के पास छापेमारी की गई। मौके पर एक संदिग्ध महिला को पकड़ा गया।तलाशी के दौरान उसके पास से 109.04 ग्राम कोकीन बरामद हुई। पूछताछ में उसकी पहचान 42 वर्षीय 'पीस' के रूप में हुई, जो नाइजीरिया की नागरिक है और फिलहाल विकासपुरी, दिल्ली में रह रही थी।इस संबंध में थाना साउथ रोहिणी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत एफआईआर संख्या 110/26 दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस ड्रग्स नेटवर्क के अन्य सदस्यों और सप्लाई चेन की जांच में जुटी है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

नांगली इलाके से 'मुखिया गैंग' का सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) ने 'मुखिया गैंग' के कुख्यात सरगना राहुल उर्फ दहुर उर्फ राजू मुखिया (38) को द्वारका के नांगली इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपित तीन मामलों में भगोड़ा था और लगातार अदालत में पेशी से बचता आ रहा था। पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) हर्ष इंदौरा ने बुधवार को बताया कि राहुल मुखिया बिहार के मधुबनी का रहने वाला है और दिल्ली व हरियाणा में दर्ज चार आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। गिरफ्तारी से पहले वह जमानत पर बाहर था, लेकिन बार-बार अदालत में पेश से बच रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर 30 मार्च को जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि 'मुखिया गैंग' बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम देता था। गैंग के सदस्य पहले प्लेसमेंट एजेंसियों के

जरिए संपन्न परिवारों में घरेलू नौकर या नौकरानी बनकर घुसपैठ करते थे। भरोसा जीतने के बाद घर के सदस्यों की दिनचर्या और कीमती सामान की जानकारी जुटाई जाती थी। इसके बाद सही मौका देखकर अन्य साथियों को बुलाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया जाता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार राजौरी गार्डन निवासी एक डॉक्टर के घर वर्ष 2016 में हुई 25-30 लाख रुपये की चोरी और गुरुग्राम में 2014 में करीब एक करोड़ रुपये की चोरी की वारदात में भी राहुल की संलिप्तता सामने आई थी। एक मामले में तो पीड़िता को नशीला पदार्थ देकर बेहोश कर दिया गया था। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह 2006 से 2011 के बीच केयरटेकर का काम करता था, इसी दौरान उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की साजिश रचनी शुरू की। बाद में उसने अलग-अलग राज्यों में घरेलू नौकरों का नेटवर्क खड़ा कर बड़े स्तर पर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों का कहना है कि आरोपित की गिरफ्तारी से कई लंबित मामलों के खुलासे की उम्मीद है। फिलहाल उससे गहन पूछताछ की जा रही है और उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

संपादकीय

अपने ही दावों पर ट्रंप की बार बार पलटी

ईरान से अमेरिका की जंग 5वें हफ्ते में पहुंच गई है, लेकिन इसके अंत को लेकर संशय अब भी बरकरार है। राष्ट्रपति ट्रंप जीत और जंग खत्म होने का दावा बार बार करते हैं, लेकिन अपने बयानों से वह अचानक पलटी मार जाते हैं। पिछले 30 दिनों में ट्रंप ने 12 बार जंग जीतने या खत्म होने का दावा किया है लेकिन बावजूद इसके जंग जारी है। जिसके फिलहाल खत्म होने के आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं। बीते 30 दिनों पर नजर डालें तो ट्रंप के बयानों में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी वह कहते हैं कि हम यह जंग जीत चुके है, तो कभी चेतावनी देते हैं कि अगर समझौता नहीं हुआ तो हमले और तेज होंगे। हाल ही में उन्होंने कहा कि दो-तीन हफ्तों में अमेरिका ईरान छोड़ देगा। लेकिन जमीनी हालात इस दावे से मेल नहीं खाते। असल में, यह जंग अब अपने शुरूआती अनुमान से आगे निकल चुकी है। ट्रंप प्रशासन ने शुरूआत में इसे 4 से 5 हफ्तों में खत्म होने वाला ऑपरेशन बताया था। और फिलहाल यह 5वें हफ्ते में भी जारी है। इस बीच अमेरिका करीब 50 हजार सैनिक मिडिल ईस्ट में तैनात कर चुका है। जो इस बात का संकेत है कि हालात उतने आसान नहीं हैं जितना सार्वजनिक बयानों में बताया जा रहा है। ट्रंप के अगर पिछले बयानों को देखें, तो तस्वीर और भी उलझी हुई नजर आती है। 2 मार्च को, जंग शुरू हुए जब कुछ ही दिन हुए थे, ट्रंप ने इसे पूरी तरह सफल ऑपरेशन बताया था। इसके बाद 9 मार्च को उन्होंने कहा कि हम कई मोर्चों पर जीत चुके हैं। साथ ही यह भी कहा कि अभी मुकम्मल जीत बाकी है। उसी दिन उन्होंने यह कहा कि युद्ध बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। 11 मार्च को दावा किया कि जंग किसी भी समय खत्म हो सकती है। निशाना बनाने के लिए ज्यादा कुछ बचा नहीं है। लेकिन कुछ देर बाद कहा कि हमें काम पूरा करना होगा। अगले दो दिन उन्होंने इसी तरह के बयान दिए कि जीत करीब है। लगातार बदलते बयानों से यह साफ है कि ट्रंप एक तरफ अमेरिकी जनता को यह भरोसा दिलाना चाहते हैं कि यह जंग लंबी नहीं चलेगी, वहीं दूसरी ओर जमीनी हालात उन्हें अपने दावे बार-बार बदलने को मजबूर कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह रणनीति राजनैतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों स्तरों पर काम कर रही है। एक तरफ यह घरेलू समर्थन बनाए रखने की कोशिश है, तो दूसरी ओर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकती है। लेकिन इसका एक दुष्परिणाम यह भी है कि इससे जंग को लेकर अनिश्चितता और बढ़ जाती है।

संकट हरता, सुखकर्ता, कलियुग के देवता हैं हनुमान

भगवान श्रीराम का जन्म लगभग 5114 ईसा पूर्व अयोध्या में हुआ माना जाता है और यह मान्यता है कि हनुमानजी का जन्म श्रीराम के जन्म से पूर्व हुआ था ताकि वे श्रीराम की सेवा में समर्पित हो सकें। हनुमानजी हिन्दू धर्म के सबसे पूज्यनीय और लोकप्रिय देवताओं में से एक हैं। उनकी पूजा केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में फैले हिन्दू समुदाय द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। भगवान हनुमान को कलियुग का देवता माना गया है, जो शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यह मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं, आरोग्यता प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी की पूजा अत्यंत फलदायक मानी जाती है। हनुमान चालीसा का पाठ इस दिन विशेष रूप से किया जाता है। 16वीं शताब्दी के महान संत, कवि और भक्त गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा की रचना की थी, जो आज भी करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केन्द्र है। हनुमान चालीसा में हनुमानजी के गुण, पराक्रम, भक्ति और उनके चमत्कारों का विस्तारपूर्वक वर्णन है।

योगेश कुमार गोयल

सनातन धर्म में सप्ताह के प्रत्येक दिन को किसी न किसी देवता को समर्पित किया गया है और भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त पवनपुत्र हनुमान को मंगलवार का दिन समर्पित माना गया है। हनुमान जयंती, जिसे 'हनुमान जन्मोत्सव' भी कहा जाता है, प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। इस वर्ष यह पावन पर्व 2 अप्रैल को मनाया जा रहा है। हनुमान जयंती को 'हनुमान जन्मोत्सव' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि ऐसी मान्यता है कि महाबली हनुमान आज भी धरती पर विद्यमान हैं और अपने भक्तों की सहायता के लिए सदैव उपस्थित रहते हैं। पुराणों के अनुसार, जब हनुमानजी ने भगवान श्रीराम की सेवा, भक्ति और समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया, तब माता सीता ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था। यही कारण है कि उन्हें 'चिरंजीवी' माना जाता है और उनके जन्मोत्सव को विशेष श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह पर्व हिन्दू समाज के लिए केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक चेतना और आस्था का प्रतीक है। हनुमान जन्मोत्सव अच्छाई की विजय और न्याय की स्थापना के संकल्प का स्मरण कराता है। यह दिन सभी को प्रेरणा देता है कि वे धर्म के मार्ग पर चलते हुए जीवन में सच्चाई, सेवा और समर्पण को अपनाएं।

भगवान श्रीराम का जन्म लगभग 5114 ईसा पूर्व अयोध्या में हुआ माना जाता है और यह मान्यता है कि हनुमानजी का जन्म श्रीराम के जन्म से पूर्व हुआ था ताकि वे श्रीराम की सेवा में समर्पित हो सकें। हनुमानजी हिन्दू धर्म के सबसे पूज्यनीय और लोकप्रिय देवताओं में से एक हैं। उनकी पूजा केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में फैले हिन्दू समुदाय द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। भगवान हनुमान को कलियुग का देवता माना गया है, जो शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यह मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं, आरोग्यता प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी की पूजा अत्यंत फलदायक मानी जाती है। हनुमान चालीसा का पाठ इस दिन विशेष रूप से किया जाता है। 16वीं शताब्दी के महान संत, कवि और भक्त गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा की रचना की थी, जो आज भी करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केन्द्र है। हनुमान चालीसा में हनुमानजी के गुण, पराक्रम, भक्ति और उनके चमत्कारों का विस्तारपूर्वक वर्णन है। ऐसा कहा जाता है कि इसका पाठ करने से भय और दुख दूर होते हैं और साधक को मानसिक शांति प्राप्त होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान हनुमान का जन्म त्रेतायुग में हुआ था, जब भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। भगवान शिव ने भगवान राम की सेवा हेतु रुद्रावतार हनुमान के रूप में जन्म लिया। वाल्मीकि रामायण, महाभारत, पुराणों और अन्य ग्रंथों में हनुमानजी के पराक्रम, भक्ति और सेवाभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन मिलता है। माता अंजना और वानरराज केसरी के पुत्र हनुमान को जन्म से ही असाधारण शक्तियां प्राप्त थीं। उन्हें सूर्य से शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य मिला और अनेक देवी-देवताओं ने उन्हें अपने-अपने आशीर्वाद से शक्तिशाली बना दिया। हनुमानजी को अष्ट सिद्धियां और नव निधियां प्राप्त हैं। यही कारण है कि उन्हें अजेय, अमर और महाबली देवता माना गया है।

हनुमानजी की भक्ति और शक्ति का सबसे बड़ा प्रमाण रामायण में मिलता है, जब उन्होंने माता सीता की खोज में समुद्र पार किया, लंका दहन किया और संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मणजी के प्राणों की रक्षा की। उनका समर्पण, साहस और त्याग अप्रतिम है। वे केवल पराक्रमी योद्धा ही नहीं बल्कि एक अत्यंत बुद्धिमान और विनम्र भक्त भी हैं। 'संकटमोचन' कहे जाने वाले हनुमान अपने भक्तों को हर प्रकार के संकट से उबारते हैं और उन्हें भय, पीड़ा तथा क्लेश से मुक्त करते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से हनुमानजी की उपासना करता है, वह जीवन में आने वाली सभी बाधाओं को पार करते हुए सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है।

हनुमानजी के नामकरण को लेकर भी एक विशेष कथा प्रचलित है। संस्कृत में 'हनु' का अर्थ होता है दाढ़ी। पौराणिक मान्यता के अनुसार, बाल्यावस्था में जब हनुमानजी को तीव्र भूख लगी तो उन्होंने सूर्य को एक लाल फल समझकर खाने के लिए दौड़ लगा दी। उसी समय राहु भी सूर्यग्रहण के लिए आया था लेकिन हनुमानजी ने राहु को भगा दिया और सूर्य को निगल लिया। इससे संसार में अंधकार फैल गया। राहु ने देवताओं से जाकर शिकायत की तो देवराज इंद्र ने क्रोधित होकर हनुमान पर अपने वज्र से प्रहार किया, जिससे उनकी दाढ़ी में चोट आई और वे मूर्छित हो गए। जब पवनदेव को यह ज्ञात हुआ तो उन्होंने पूरे ब्रह्मांड में वायु का प्रवाह रोक दिया। सृष्टि में हाहाकार मच गया और तब सभी देवताओं ने ब्रह्मा जी की अगुवाई में पवनदेव को मनाया और हनुमानजी को जीवनदान दिया। इस दिन को ही उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। हनुमानजी का चरित्र आज के युग के लिए प्रेरणास्रोत है। वे शक्ति, सेवा, समर्पण और विनम्रता के अद्भुत संगम हैं। उनका जीवन दर्शाता है कि किसी भी शक्ति का प्रयोग केवल धर्म और सेवा के लिए किया जाना चाहिए। वे निर्भयता और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक हैं। भक्तों का विश्वास है कि हनुमानजी की आराधना से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। आज जब संसार अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब हनुमान जन्मोत्सव का संदेश हमें शक्ति, साहस और संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उनकी भक्ति, निष्ठा और सेवा का भाव प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में होना चाहिए ताकि हम सभी अपने कर्त्तव्यों का निष्ठा से पालन करते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकें। हनुमान जन्मोत्सव न केवल एक धार्मिक पर्व है बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और अध्यात्मिक ऊर्जा का भी उत्सव है।

खाड़ी देशों में चल रही अस्थिरता के बीच एलपीजी संकट

- डॉ. प्रियंका सौरभ

हालिया एलपीजी संकट ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी महत्वाकांक्षी कल्याणकारी पहलों की चमक धूमिल कर दी है। मार्च 2026 में पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न यह संकट, जब ईरान-इजरायल-अमेरिका संघर्ष ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिया, तब भारत की लगभग 60 प्रतिशत आयात निर्भरता पूरी तरह उजागर हो गई। दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता देशों में शामिल भारत में अचानक सिलेंडरों की लंबी कतारें दिखने लगीं, ग्रामीण महिलाओं के रसोईघर ठंडे पड़ गए और व्यावसायिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुईं। उज्ज्वला योजना ने 10 करोड़ से अधिक कनेक्शन वितरित कर स्वच्छ ईंधन क्रांति का दावा किया था, किंतु इस संकट ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल विस्तार ही प्रभावी वितरण की गारंटी नहीं होता। घरेलू उत्पादन मांग के मुकाबले अपर्याप्त रहा, भंडारण क्षमता महज पांच दिनों की साबित हुई और आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता खुलकर सामने आ गई।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का प्रारंभ 2016 में धुएं से मुक्ति के एक आकर्षक और मानवीय स्वप्न के साथ हुआ था। लकड़ी और कोयले के चूल्हों से उत्पन्न स्वास्थ्य संकट को कम करने के उद्देश्य से गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। योजना का विस्तार तीन चरणों में हुआ—प्रथम चरण में 5 करोड़, द्वितीय में 6 करोड़ और तृतीय में अतिरिक्त लक्ष्य निर्धारित किए गए। परिणामस्वरूप एलपीजी कवरेज 95 प्रतिशत से अधिक हो गया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। किंतु हालिया संकट ने रिफिल दरों की वास्तविकता को उजागर कर दिया। औसतन लाभार्थी प्रति वर्ष केवल 3 से 4 बार ही सिलेंडर रिफिल कराते हैं, जबकि निरंतर उपयोग के लिए कम से कम 8 से 10 रिफिल आवश्यक होते हैं। सब्सिडी के बावजूद 600 से 800 रुपये की लागत दैनिक मजदूरी पर निर्भर परिवारों के लिए भारी पड़ती है। परिणामस्वरूप, अनेक परिवार पुनः पारंपरिक ईंधनों की ओर लौट जाते हैं। सिलेंडर घरों में "आपातकालीन विकल्प" बनकर रह जाता है, न कि नियमित उपयोग का साधन।

एलपीजी संकट ने केवल मांग और कीमत का ही प्रश्न नहीं उठाया, बल्कि भारत की आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को भी उजागर कर दिया। घरेलू उत्पादन मांग के मुकाबले कम है, भंडारण क्षमता सीमित है और आयात बाधित होते ही वितरण तंत्र चरमरा जाता है। पूर्वोत्तर राज्यों में भौगोलिक चुनौतियों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। यह स्पष्ट हो गया कि ऊर्जा सुरक्षा के बिना कल्याणकारी योजनाएं केवल कागजी उपलब्धियां बनकर रह जाती हैं।

डिजिटल प्रणालियों ने पारदर्शिता तो बढ़ाई है, किंतु डिजिटल विभाजन ने बड़ी संख्या में लोगों को बाहर भी कर दिया है। ग्रामीण भारत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों से वंचित है, जिससे रिफिल बुकिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाएं उनके लिए कठिन बनी रहती हैं। इस प्रकार, जो व्यवस्था समावेशन के लिए बनाई गई थी, वही कई बार बहिष्करण का कारण बन जाती है। यह समस्या केवल उज्ज्वला योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की व्यापक कल्याणकारी संरचना की कमजोरी को भी उजागर करती है। देश में अनेक योजनाएं सुभेद्य वर्गों को लक्षित करती हैं, किंतु जागरूकता के अभाव, दस्तावेजी जटिलताओं, भ्रष्टाचार और निगरानी की कमी के कारण उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। अधिकांश योजनाएं अल्पकालिक राहत तक सीमित रहती हैं और दीर्घकालिक सशक्तीकरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं देतीं। परिणामस्वरूप, भारत की कल्याणकारी योजनाएं अक्सर कागज पर "सर्वव्यापी" और जमीन पर "चयनात्मक" बन जाती हैं।

संकट के दौरान सरकार द्वारा उठाए गए कदम तत्काल राहत के लिए आवश्यक थे, किंतु वे स्थायी समाधान प्रस्तुत नहीं करते। यदि सुभेद्य आबादी के लिए वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो आयात निर्भरता को कम कर घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा, भंडारण क्षमता का विस्तार करना होगा और वितरण तंत्र को मजबूत बनाना होगा। साथ ही, डिजिटल समावेशन सुनिश्चित करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों—जैसे बायोगैस और सौर ऊर्जा—को बढ़ावा देना होगा।

अंततः, एलपीजी संकट यह स्पष्ट करता है कि कल्याण केवल वितरण का प्रश्न नहीं, बल्कि सतत और समान पहुंच सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है। उज्ज्वला योजना ने लाखों जीवनों को प्रभावित किया है, किंतु इस संकट ने उसकी सीमाओं को भी उजागर कर दिया है। सुभेद्य वर्गों का वास्तविक सशक्तीकरण तभी संभव है, जब योजनाओं की संरचना समावेशी, लचीली और उत्तरदायी हो। अन्यथा, ये पहलें केवल कागजी उपलब्धियों तक सीमित रह जाएंगी। भारत की कल्याण यात्रा को अब विस्तार के साथ-साथ गहराई और स्थायित्व की आवश्यकता है, ताकि अगला संकट सबसे कमजोर वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित न कर सके।

पर्स में पैसे नहीं टिकते तो करें ये उपाय

पर्स ऐसी चीज है जिसे आप घर से बाहर जाने पर कभी नहीं भूलते हैं। पर्स में लोग तमाम जरूरी चीजों को रखते हैं। चाहे एटीएम कार्ड हो या आपका ड्राइविंग लाइसेंस। रुपये हों या फिर आपसे जुड़ी कोई महत्वपूर्ण वस्तु। आपका पर्स आपके लिए बेहद जरूरी है। कई लोगों का कहना होता है कि पर्स में पैसे टिकते ही नहीं। अगर आप वास्तु के अनुसार अपने पर्स को रखें तो हमेशा आपके पर्स में बरकत रहेगी। अपने बटुए या पर्स में किसी भी तरह की खाने की चीज न रखें। पर्स में खाने की वस्तु रखने से पैसा नहीं टिकता है। अपने पर्स में पवित्र और धार्मिक वस्तुओं को जरूर रखें। आप रुद्राक्ष भी अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपको बरकत देगा। आपको यह उपाय अजीब लगे लेकिन यह है बेहद कारगर। आपको अपने पर्स में बिल्कुल थोड़ा सा गाय का गोबर रखना है। इस उपाय को करने से पर्स में हमेशा लक्ष्मी टिकती हैं और हां यह उपाय आपको बेवजह के खर्च से भी बचाता है। वास्तु के अनुसार आप अपने पर्स में लक्ष्मी मां की तस्वीर जरूर रखें। ऐसा करने से माना जाता है कि कहीं न कहीं से पैसे आपके पर्स में आ ही जाएंगे। आपका पर्स कभी खाली नहीं होगा। अगर आप ज्यादा खर्च करते हैं तो ऐसे में आप अपने पर्स में चुटकीभर चावल रख लें। ऐसा करने से आपके पैसे जल्दी खर्च नहीं होंगे। ऐसा माना जाता है कि अगर आपकी कोई मनोकामना है तो इसे एक कागज पर लिखें और लाल रंग के लिफाफे में बंद कर अपने पर्स में रख लें। यह मनोकामना जल्द ही पूरी हो जाएगी।

(इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।)

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1679 - मुगल बादशाह औरंगजेब ने अपनी सल्तनत के हिंदुओं पर फिर से जजिया कर लगाया। इस कर को अकबर ने समाप्त किया था।
1902 - लॉसएंजिलिस में पहला मोशन पिक्चर थिएटर खुला।
1902 - हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के फनकार बड़े गुलाम अली खां का जन्म।
1912 - टाइटैनिक का सामुद्रिक परीक्षण शुरू।
1921- अल्बर्ट आइंस्टीन ने अपने नए सापेक्षता के सिद्धांत पर न्यूयॉर्क शहर में व्याख्यान दिया।
1970- मेघालय असम राज्य के भीतर एक स्वायत्त राज्य बना।
1982 - अर्जेंटिना ने दक्षिणी अटलांटिक महासागर में स्थित फॉकलैंड द्वीप समूह पर हमला किया।
1984 - स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा, मिशन सोयूज़ टी-11 के तहत अंतरिक्ष जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने।
1986 - अमेरिकी विमानन कंपनी के बोइंग विमान में बीच हवा में बम फटने से सुराख हुआ। चार यात्री हवा के दबाव से विमान से गिरे। पायलट ने विमान को सुरक्षित उतारा।
1989 - फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के नेता यासर अराफात फिलिस्तीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।
1997 - सुमिता सिन्हा ने एक रिकार्ड बनाया, जब 3200 किलोग्राम वजन का एक ट्रक उनके ऊपर से गुजरा।
1999 - मास्को में स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) की शिखर बैठक सम्पन्न।
2007 - सोलोमन द्वीप में शक्तिशाली सुनामी आयी।
2008 - कर्नाटक में तीन चरणों में विधान सभा चुनाव कराने की घोषणा। रामराव समिति ने रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में रक्षा तकनीकी आयोग गठित करने की सिफारिश की।
2008 - नेपाल में सत्तारूढ़ पार्टियों के शीर्ष नेताओं ने चुनाव से पहले भड़की हिंसा की जांच के लिए 10 सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए।
2008 - अमेरिका में हावर्ड विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हावर्ड बिजनेस स्कूल ने अंजली रैना को मुंबई स्थित अपने भारत अनुसंधान केन्द्र का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया।

युद्ध के दौर में भगवान राम का शान्ति का संदेश

संजय गोस्वामी

विश्व में युद्ध चल रहा है वहीँ दूसरी ओर भारत में शान्ति और सौहार्द का माहौल है ऐ राम के जीवन से प्रेरणा के लिए भारतीय सनातन को एक कर सतमार्ग की ओर ले जाता है सचमुच भगवान राम का जीवन कष्टों और चुनौती से भरा था और शांत रहकर मर्यादा का पालन कर संपूर्ण विश्व में मानवता का संदेश दिया और मर्यादा के लिए अच्छे राजतन्त्र की भी स्थापना की विश्वामित्र ने राम की संवेदनशीलता की परीक्षा लेनी चाही—विशेष रूप से रामायण के बारह मोतियों (महत्वपूर्ण प्रसंगों) से जुड़े उस नाज़ुक मामले के संबंध में—एक ऐसी परीक्षा जिसमें राम विजयी होकर उभरे, जिससे विश्वामित्र ने अपने प्रारंभिक अनुमान को एक निश्चित निष्कर्ष में बदल दिया। यही संवेदनशील राम—जब वे केवल एक स्वतंत्र व्यक्ति, एक शिष्य और एक राजकुमार थे, जिन पर राजपद का कोई राजनीतिक दबाव नहीं था—तब उन्होंने अहल्या के प्रति अपनी करुणा को मुक्त भाव से व्यक्त किया था। हालाँकि, राजसिंहासन पर आरूढ़ होने के बाद, उन्हें राजधर्म (राजा के कर्तव्यों की संहिता) की मर्यादाओं का पालन करते हुए अपनी व्यक्तिगत भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए विवश होना पड़ा। उनके सामने यह चुनाव था कि वे किसे प्राथमिकता दें: पतिधर्म (एक पति का कर्तव्य) को या राजधर्म को। व्यक्ति तो केवल एक बूंद (बिंदु) मात्र है, जबकि राज्य—जिसमें प्रजा समाहित है—एक विशाल सागर (सिंधु) है। सागर की तुलना में, बूंद गौण है—वास्तव में, नगण्य है; अतः, उन्हें उस मार्ग को चुनने के लिए विवश होना पड़ा जो वास्तव में एक राजा की करुणा को परिभाषित करता है: क्या यह करुणा उसके व्यक्तिगत संबंधों की ओर निर्देशित होनी चाहिए, या उसकी प्रजा की ओर? परिणामस्वरूप, उन्होंने राजधर्म की पवित्रता को अपनी व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर रखा और अपने राजपद के कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। एक सच्चे राजा का कर्तव्य कभी भी व्यक्तिगत सुख को प्राथमिकता नहीं देता; बल्कि, राष्ट्र और उसकी प्रजा का कल्याण, सुख, सुरक्षा और सामूहिक संतोष ही सर्वोपरि होता है—जो किसी भी एक व्यक्ति के प्रेम से कहीं अधिक ऊँचा स्थान रखता है। जब राम असंख्य विचारों, चिंतन-मनन और आंतरिक द्वंद्वों से जूझ रहे थे, तब अंततः यह निर्णय लेते समय—एक ऐसा निर्णय जिसमें उनके अपने व्यक्तिगत सुख का परित्याग निहित था—उनकी प्रजा के प्रति कितना असीम स्नेह और उत्तरदायित्व का भाव उनके हृदय में उमड़ रहा होगा! राजा की अपनी प्रजा के प्रति इसी अटूट निष्ठा ने, समय के साथ, रामराज्य की उपाधि को जन्म दिया। जब वे एक पुत्र के रूप में या एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में कार्य करते हैं, तो करुणा को प्राथमिकता देते हैं; परंतु, जब वे एक राजा के रूप में कार्य करते हैं, तो मर्यादा (धर्मसम्मत आचार-संहिता) का पालन सर्वोपरि हो जाता है। जो वे अहिल्या के लिए कर पाए, वह सीता के लिए नहीं कर सके। उन्होंने अहिल्या के पाषाण-रूप में प्राण फूँक दिए, फिर भी अपने यज्ञ-अनुष्ठानों के दौरान जीवित, अश्वमेघ यज्ञ में साँस लेती हुई सीता को मात्र एक निर्जीव प्रतिमा में बदल दिया—हालाँकि, उनके हृदय में सीता के सिवा किसी और का वास न था। लोग अक्सर सती के प्रति भगवान शंकर के असाधारण प्रेम की चर्चा करते हैं। परंतु राम की स्वतंत्रता की तुलना शंकर की स्वतंत्रता से कैसे की जा सकती है? राम मर्यादा की सीमाओं में बँधे हैं; यदि वे सचमुच स्वतंत्र होते, तो शायद वे भी सब कुछ नष्ट कर देते—ठीक वैसे ही जैसे शंकर ने दक्ष यज्ञ के दौरान किया था। फिर भी, राम अपनी प्रजा के रक्षक और पालक हैं; ऐसे में, वे किस पर ऐसा विनाश ढाते? यही एक स्वतंत्र, साधारण नागरिक और राजपद के गंभीर दायित्वों से बँधे व्यक्ति के बीच का मूल अंतर है। जब कोई पद के बोझ से मुक्त होता है, तो निर्णय लेने में कितना आत्मनिर्भर होता है; परंतु, एक बार सिंहासन पर आसीन होने के बाद, वह कितना निस्सहाय हो जाता है! इतना निस्सहाय, कि वह अपने स्वयं के कष्टों को भी वाणी नहीं दे पाता, इस भय से कि कहीं उसकी छवि एक कमजोर या दुर्बल राजा के रूप में न उभर आए। वनवासी राम विरह की पीड़ा में फूट-फूटकर रो सकते थे; परंतु राजा राम ऐसा नहीं कर सकते थे। वे निरंतर अग्नि-परीक्षा से गुज़रते रहते हैं, फिर भी अपने भाग्य को बदलने में असमर्थ रहते हैं। राम जैसा स्नेहिल व्यक्ति—जो लक्ष्मण को शक्ति बाण लगने पर फूट-फूटकर रोया था—अपने नवजात पुत्रों की एक झलक से भी वंचित रह जाए, या उनके बड़े होने का सुख न भोग पाए, यह इतनी बड़ी त्रासदी है कि उनके कष्टों का वर्णन शब्दों में करना असंभव है। उस असीम पितृ-स्नेह का अनुभव करने का सौभाग्य—जिसकी मिसाल दशरथ थे—राम के भाग्य में लिखा ही न था। जहाँ तुलसीदास जी लिख सके: रामचंद्र जी बड़े ही मनमोहक ढंग से ठुमक-ठुमक कर चलते हैं, और उनके पैरों की पायल छन-छन करती है...—वहीं राम के लिए, वास्तविकता बिल्कुल अलग थी: सुनो, वैदेही! मेरी रातें तुम्हारी रातों से कहीं ज़्यादा अकेली हैं। जहाँ तुम्हारी बाहें लव और कुश को गले लगाती हैं, वहीं मेरी बाहें खाली रह जाती हैं। तो फिर, अब हमें इस अवधारणा की तुलनात्मक दृष्टि से—विशेष रूप से राजा दशरथ और राजा राम के नज़रिए से—जाँच क्यों नहीं करनी चाहिए? जिन बिंदुओं पर हम चर्चा करेंगे, वे हैं: पुत्र धर्म (एक पुत्र का कर्तव्य) और राज धर्म (एक राजा का कर्तव्य)। यदि हम इन दोनों बिंदुओं पर विचार करें, तो हम पाते हैं कि राम के इर्द-गिर्द उठने वाले सबसे बड़े प्रश्नचिह्न उनके राज धर्म के पालन से ही जुड़े हैं—विशेष रूप से सीता के परित्याग के संबंध में। वास्तव में, अपने पूरे जीवनकाल में, यह कार्य राज धर्म का पालन करने का दायित्व निश्चित रूप से उनके जीवन का सबसे कठिन दौर रहा होगा! आखिर वे कौन सी परिस्थितियाँ थीं जब राजा दशरथ ने राम को वनवास भेजने का आदेश दिया था? राम के राज्याभिषेक की तैयारियाँ ज़ोरों पर थीं, तभी कैकेयी—दशरथ की प्रिय रानी—ने अपने उन दो वरों (वरदानों) की याद दिलाई जो उन्हें पहले दिए गए थे, और माँग की कि राम को चौदह वर्षों के लिए वनवास भेजा जाए। आखिर ठीक चौदह वर्ष ही क्यों? वह तो आजीवन वनवास की माँग भी आसानी से कर सकती थीं; क्योंकि, उस युग के संवैधानिक नियमों के अनुसार, यदि कोई घोषित युवराज बारह वर्षों से अधिक समय तक राज्य से बाहर रहता—अर्थात्, प्रशासनिक कर्तव्यों से विहीन और राज्य-संबंधी किसी भी दायित्व से मुक्त जीवन जीता—तो वह शासन करने की अपनी पात्रता खो देता और इस प्रकार सिंहासन पर बैठने के अपने स्वाभाविक अधिकार से वंचित हो जाता। इन परिस्थितियों के आलोक में, राम के आचरण की सदैव प्रशंसा की गई है, जबकि राजा दशरथ की अपने वचन के प्रति अडिग निष्ठा की सराहना की गई है। तथापि, हमने राम के साथ हुए अन्याय, रानी कैकेयी द्वारा राजा दशरथ का भावनात्मक दोहन, राज्य पर अधिकार जमाना, अथवा प्रजा के साथ हुए अन्याय की कभी भी कड़ी आलोचना नहीं की है। वास्तव में, राजा दशरथ राज धर्म (एक धर्मात्मा शासक का कर्तव्य) का पालन नहीं कर रहे थे; बल्कि, अपनी प्रिय रानी को दिए गए वचन का मान रखने के अपने संकल्प में, उन्होंने न केवल राज धर्म की अवहेलना की, अपितु अपने ज्येष्ठ और अत्यंत योग्य पुत्र के साथ घोर अन्याय भी किया। इस वचन की पूर्ति में स्वयं राम ने ही मुख्य भूमिका निभाई—वस्तुतः, केवल राम के कारण ही वह वचन निभाया जा सका—जिससे गोस्वामी तुलसीदास यह लिखने में समर्थ हुए: " रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई।"यह दोहा आज भी रघुकुलवंशियों के अपने वचन के प्रति अडिग निष्ठा का जीवंत उदाहरण बना हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

शिवकुमार स्वामी जैसे संत समाज की आत्मा को आकार देते हैं: राष्ट्रपति मुर्मू

तुमकुरु (कर्नाटक)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि शिवकुमार स्वामी जैसे संत समाज एवं राष्ट्र की आत्मा को आकार देते हैं तथा उनकी आध्यात्मिक विरासत उनके देहावसान के बाद भी देश का पोषण करती रहती है।

अपने अनुयायियों के बीच 'त्रिविध दासोही' (भोजन, आश्रय और शिक्षा) के लिए प्रसिद्ध शिवकुमार स्वामी सिद्धगंगा मठ के पीठाधीश्वर थे। उनका 21 जनवरी 2019 को 111 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि परिश्रम, लोकसेवा और राष्ट्रसेवा परस्पर जुड़े हुए हैं तथा आध्यात्मिकता इन दोनों के लिए एक मजबूत और स्थायी आधार प्रदान करती है। यहां श्री सिद्धगंगा मठ में संत की 119वीं जयंती और गुरुवंदना समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा मानना है कि श्री शिवकुमार स्वामीजी जैसे संत हमारे समाज और राष्ट्र की आत्मा को आकार देते हैं। उनका भौतिक शरीर वर्ष 2019 में पंचतत्व में विलीन हो गया, लेकिन उनकी विरासत आज भी समाज और देश का पोषण कर रही है। मुर्मु ने कहा कि गरीबों और वंचितों की सेवा को समर्पित संत का जीवन कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति का एक अद्वितीय उदाहरण है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने अपनी आध्यात्मिक साधना के माध्यम से कई वर्षों तक मानवता को समृद्ध किया। गरीबों और वंचितों की सेवा को समर्पित उनका जीवन तथा कल्याणकारी कार्यों के जरिए आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति एक अनूठा उदाहरण है।

मठ की गतिविधियों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कहा जाता है कि इस मठ के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्रामीण बच्चों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास और शिक्षा की व्यवस्था की जाती है, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने शिक्षा को विकास की कुंजी बताते हुए कहा कि वंचित और गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान करना देश का भविष्य निर्माण करना और राष्ट्र के विकास को आगे बढ़ाना है। राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे विशेष प्रसन्नता है यह जानकर हुई कि प्राथमिक विद्यालय से लेकर इंजीनियरिंग और प्रबंधन में उच्च शिक्षा तक की व्यवस्था इस मठ द्वारा की गई है। इस उद्देश्य के लिए अनेक शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए गए हैं। राष्ट्रपति ने संस्थान से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रयासों को भी रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि मुझे यह भी बताया गया है कि श्री सिद्धगंगा अस्पताल आम जनता को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है, जिसकी स्थापना शिवकुमार स्वामी ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि यह मठ सेवा और आध्यात्मिकता की एक दीर्घ परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। मुर्मू ने कर्नाटक की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश लोकसेवा, राष्ट्रसेवा, आध्यात्मिकता और आधुनिक प्रगति के सबसे प्रभावी उदाहरणों में से एक को प्रस्तुत करता है। उन्होंने राष्ट्र-निर्माण में योगदान के लिए राज्य के लोगों को बधाई दी।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शारीरिक क्षति पहुंचाने पर क्रमिक दंड का प्रावधान करने वाले संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। विपक्षी सांसदों ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें समलैंगिक पुरुषों (गे) और समलैंगिक महिलाओं (लेस्बियन) को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। विधेयक में यह निर्धारित करने के लिए एक प्राधिकरण के गठन का प्रावधान किया गया है कि कोई व्यक्ति ट्रांसजेंडर है या नहीं। इस प्रावधान को लेकर भी विपक्ष ने आपत्ति जताई है। कानून मंत्रालय की 30 मार्च की अधिसूचना के अनुसार, संशोधित कानून केंद्र सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचना जारी कर निर्धारित की गई तिथि से लागू होगा। संसद के दोनों सदनों में हुई बहस के दौरान सरकार ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की सुरक्षा करना है, जबकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित कानून आत्म-पहचान के अधिकार को सीमित करता है। विपक्ष ने विधेयक को व्यापक विचार-विमर्श के लिए स्थायी समिति को भेजने की मांग भी की। विधेयक में 'ट्रांसजेंडर' शब्द की स्पष्ट परिभाषा देने और 'विभिन्न यौन अभिविन्यास तथा स्व-परिकल्पित लैंगिक पहचान' को इसके दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव है। विधेयक में कहा गया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति में 'विभिन्न यौन अभिविन्यास और स्व-परिकल्पित लैंगिक पहचान वाले व्यक्तियों को न तो शामिल किया जाएगा और न ही कभी शामिल किया गया है।' इसमें कहा गया है कि अधिनियम का उद्देश्य सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से ट्रांसजेंडर के रूप में पहचाने जाने वाले एक विशेष वर्ग के लोगों की सुरक्षा करना है, जो गंभीर सामाजिक भेदभाव का सामना करते हैं।

देश में तेल की कीमतें स्थिर, सरकार ने दिया पर्याप्त आपूर्ति का भरोसा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और अगले दो महीनों के लिए क्रूड ऑयल आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था कर ली है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता में कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल के बीच भारत सरकार ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत ने अपनी ईंधन और कृषि आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक गैस के संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं और सीएनजी परिवहन के लिए 100 फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने पीएनजी नेटवर्क का विस्तार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

उन्होंने बताया कि मार्च महीने में लगभग 3,25,000 कनेक्शनों को गैस की आपूर्ति की गई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू उपभोक्ताओं को बचाने के लिए भारत सरकार ने ईंधन की कीमतों में किसी भी बढ़ोतरी को रोकने के लिए एक्साइज ड्यूटी कम कर दी है। इन कोशिशों के जरिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रखी गई हैं, जिसके चलते सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस मार्केटिंग कंपनियों को दोनों ईंधनों पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। शर्मा ने कहा कि घरेलू बाजार में एफटीए और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने एक्सपोर्ट लेवी भी लगाई है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे घबराहट में खरीदारी न करें।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय में संयुक्त सचिव असंगबा चुबा ने कहा कि आज सुबह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एफटीए) की कीमतों को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण घोषणा की गई। भारतीय विमानन उद्योग ने भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण और रणनीतिक फैसले का स्वागत किया है, जिसके तहत घरेलू मार्गों पर चलने वाली घरेलू शेड्यूल्ड एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में केवल 25 फीसदी की सीमित बढ़ोतरी लागू की गई है।

केरल विस चुनाव: जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिले भाजपा अध्यक्ष, रोड शो

कन्नूर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को केरल दौरे के दूसरे दिन कन्नूर में अलग-अलग समय और घटनाओं में पार्टी के लिए जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं के परिवार वालों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

उन्होंने इन परिवारों के साथ दोपहर का भोजन भी किया। नितिन नवीन कन्नूर जिले में अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम के तुरंत बाद अलग-अलग समय पर पार्टी के लिए जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं के परिजनों के घर पहुंचे और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा और संगठन हर परिस्थिति में इन परिवारों के साथ खड़ा रहेगा। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार के समर्थन में मट्टानूर में रोड शो किया। थलास्सेरी रोड से होकर गुजरने वाले इस रोड शो में सैकड़ों समर्थकों की भागीदारी देखने को मिली। नितिन नवीन ने मीडिया से बातचीत में केरल विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा का वोट शेयर पिछले कुछ वर्षों में 2 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। उनके अनुसार, "कमल का खिलना" राज्य की जनता को पारंपरिक राजनीति के मुकाबले मजबूत विकल्प प्रदान करेगा।

उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर लंबे समय से राजनीतिक मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि इस बार राजग के नेतृत्व में सरकार बनने की संभावना प्रबल है।

अल्पसंख्यक समुदायों की चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि केवल राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को ही पार्टी से डरने की जरूरत है। मट्टानूर के कार्यक्रम के बाद नितिन नवीन पानूर पहुंचे, जहां उन्होंने कुथुपरम्बा सीट से उम्मीदवार शिजीलाल के समर्थन में एक और रोड शो का नेतृत्व किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मट्टानूर और कुथुपरम्बा जैसे क्षेत्रों में भाजपा अध्यक्ष की मौजूदगी उत्तरी केरल में वामपंथी वर्चस्व को चुनौती देने की रणनीतिक पहल है। कार्यक्रमों के समापन के बाद नितिन नवीन के आज दिल्ली लौटने का कार्यक्रम है।

रेलवे ने इस साल 1670 मिलियन टन माल ढुलाई का बनाया रिकॉर्ड : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारतीय रेल ने वर्ष 2025-26 के दौरान माल ढुलाई में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 1670 मिलियन टन (एमटी) कार्गो का परिवहन किया है। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 3.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है और देश की लॉजिस्टिक्स प्रणाली में रेल की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है।

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में रेलवे के विकास के लिए रिकॉर्ड बजट आवंटन किया है, उसका लाभ भी बहुत मिला है। जैसा कि रेलवे गरीबों और मध्यम वर्ग की सवारी है। पिछले एक दशक में जो निवेश हुआ है उसका लाभ गरीब से गरीब व्यक्ति और मध्यम वर्ग परिवारों को हुआ है। उन्होंने कहा कि हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारतीय रेलवे ने 76,352 विशेष ट्रेनें चलाईं हैं। वर्तमान में रेलवे नेटवर्क पर प्रतिदिन लगभग 25,000 ट्रेनें चलती हैं। रेलवे ने इस वर्ष के दौरान 1,670 मिलियन मीट्रिक टन माल परिवहन का रिकॉर्ड हासिल किया है।

उन्होंने कहा कि रेलवे के 50 साल के इतिहास में इस वर्ष सबसे कम संख्या में गंभीर दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। केवल 16 गंभीर दुर्घटनाओं की सूचना मिली, जो सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बीते वित्त वर्ष में 1914 लोको मैन्युफैक्चर हुए हैं जोकि कई देशों से अधिक है। रेल मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में वैगनों की संख्या में भी 4.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। 2024-25 में जहां 2,79,12,271 वैगनों का उपयोग हुआ था, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 2,91,86,475 हो गया। यह वृद्धि देश में किफायती, विश्वसनीय और कुशल परिवहन के रूप में रेलवे की बढ़ती मांग को दर्शाती है।

माल ढुलाई में वृद्धि का प्रमुख कारण उर्वरक तथा 'पिग आयरन और स्टील' क्षेत्रों में तेज वृद्धि रही। उर्वरक परिवहन में 13.49 प्रतिशत और पिग आयरन एवं तैयार स्टील में 13.11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह कृषि क्षेत्र में बढ़ती मांग और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र से जुड़े प्रमुख उत्पादों ने भी इस वृद्धि को मजबूती दी। लौह अयस्क का परिवहन 6.74 प्रतिशत बढ़कर 190.12 मिलियन टन तक पहुंच गया, जबकि सीमेंट ढुलाई में 4.74 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 157.17 मिलियन टन हो गया। इससे देश में जारी निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास गतिविधियों की रफ्तार का संकेत मिलता है। क्षेत्रवार प्रदर्शन में भी व्यापक सुधार देखने को मिला। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) ने 14.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा उत्तर मध्य रेलवे (12.62 प्रतिशत), पूर्वी तट रेलवे (10.42 प्रतिशत) और पश्चिम मध्य रेलवे (10.06 प्रतिशत) ने भी दो अंकों की वृद्धि दर्ज की।

अन्य रेलवे जोनों में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई, जिनमें पूर्वी रेलवे (0.78 प्रतिशत), पूर्व मध्य रेलवे (0.39 प्रतिशत), उत्तर पूर्वी रेलवे (0.25 प्रतिशत), पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (6.75 प्रतिशत), उत्तर पश्चिम रेलवे (5.17 प्रतिशत), दक्षिण मध्य रेलवे (2.59 प्रतिशत), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (3.18 प्रतिशत), दक्षिण रेलवे (1.10 प्रतिशत) और पश्चिम रेलवे (3.57 प्रतिशत) शामिल हैं। रेल मंत्रालय के अनुसार विभिन्न जोनों में यह संतुलित वृद्धि देशभर में माल ढुलाई क्षमता में सुधार और क्षेत्रीय विकास को दर्शाती है। भारतीय रेल ने इस प्रदर्शन के जरिए एक बार फिर देश की आर्थिक प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है। किफायती, भरोसेमंद और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन माध्यम के रूप में रेलवे न केवल लॉजिस्टिक्स लागत को कम कर रही है, बल्कि सड़कों पर दबाव भी घटा रही है और हरित परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दे रही है।

ओडिशा में विधायकों के वेतन वृद्धि से जुड़े चार विधेयक वापस

भुवनेश्वर। ओडिशा में विधायकों, मंत्रियों, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन वृद्धि से संबंधित चारों विधेयकों को अंततः राज्य सरकार ने वापस ले लिया है। इन विधेयकों की वापसी का निर्णय विधानसभा में सर्वसम्मति से लिया गया।

संसदीय कार्य मंत्री मुकेश महालिंग ने मंगलवार को विधानसभा में इन चारों विधेयकों को वापस लेने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे वॉयस वोट से मंजूरी दे दी गई। उन्होंने बताया कि यद्यपि विधेयक पहले सर्वसम्मति से पारित हुए थे, लेकिन बाद में कई सदस्यों ने इसमें पुनर्विचार की आवश्यकता जताई।

सरकार ने सदस्यों की राय को ध्यान में रखते हुए विधेयकों को वापस लेने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि ये विधेयक पिछले शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन सर्वसम्मति से पारित किए गए थे।

असम की वर्तमान सरकार महिलाओं की प्रगति नहीं चाहती : प्रियंका गांधी

डिब्रूगढ़ (असम)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को असम की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य की सरकार महिलाओं को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहती और महिला सशक्तिकरण की योजनाएं भी जमीनी स्तर पर प्रभावी नहीं हैं। नाजीरा के मेकिपुर पूजा मैदान में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'अरुणोदय' जैसी योजनाएं वास्तव में महिलाओं को कोई ठोस लाभ नहीं पहुंचा पाई हैं। उन्होंने दावा किया कि इन योजनाओं के बावजूद राज्य की महिलाएं अब भी कई समस्याओं से जूझ रही हैं। कांग्रेस उम्मीदवार देवव्रत सैकिया के समर्थन में नाजीरा में प्रचार करते हुए प्रियंका गांधी ने खोवांग में असम जातीय परिषद (एजेपी) नेता लुरिनज्योति गोगोई और टिंगखोंग में कांग्रेस उम्मीदवार बिपुल गोगोई के पक्ष में भी चुनावी सभाएं कीं। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जुबीन गर्ग को न्याय दिलाना उनकी जिम्मेदारी है और इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की ग्रामीण विकास पर हुयी महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से आत्मीय भेंट कर प्रदेश में संचालित ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट उत्पाद केंद्रीय मंत्री को भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा इन उत्पादों के बेहतर विपणन, ब्रांडिंग एवं व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के विषय में विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश सरकार के 'लखपति दीदी' अभियान के प्रयासों की सराहना की।बैठक में मनरेगा योजनांतर्गत श्रमिकों के पारिश्रमिक एवं अन्य देयताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री द्वारा आश्वस्त किया गया कि प्रदेश को श्रमिकों के भुगतान हेतु धनराशि अतिशीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशासनिक एवं मैटेरियल मद के भुगतान भी प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाएंगे। भुगतान प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं तीव्र बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में संचालित एस०एन०ए० स्पर्श प्रणाली को सुदृढ़ करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के संबंध में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश में आवासों के सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा अब शीघ्र लक्ष्य आवंटन की आवश्यकता है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार को आवास निर्माण हेतु लक्ष्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाएगा।उत्तर प्रदेश मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत प्रदेश द्वारा 500 की जनसंख्या के मानक को घटाकर 250 करने का प्रस्ताव रखा गया।

विपक्ष के बहिर्गमन के बीच सीएपीएफ विधेयक राज्यसभा से पारित

नई दिल्ली। विपक्ष के विरोध और बहिर्गमन के बीच बुधवार को राज्यसभा से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित हो गया। इस विधेयक पर चर्चा के बाद जवाब देते हुए गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस बिल का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा बलों की कार्य कुशलता और मनोबल को बढ़ाना है।

यह विधेयक सीएपीएफ अधिकारियों की सेवा शर्तों में अस्पष्टताओं और प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि सीएपीएफ का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। इनके संचालन में असुविधाएं देखने को मिल रही थी। यह विधेयक कमांड पर आधारित है। सीएपीएफ में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की व्यवस्था विकसित हुई है। इनके लिए एक स्पष्ट ढांचा उपलब्ध कराया जाए इसलिए यह बिल लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के नियम वित्तीय लाभ की निरंतरता को सुनिश्चित करते हैं। यह विधेयक संघीय ढांचे को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा ग्रुप ए के अधिकारियों को चार पदोन्नति मिलती है। इससे पहले राज्यसभा में दोपहर दो बजे सीएपीएफ विधेयक पर चर्चा की शुरुआत साकेत गोखले ने की। उन्होंने सीएपीएफ अधिकारियों की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि समान रैंक के सीएपीएफ अधिकारियों की तुलना में आईपीएस अधिकारियों का जीवन अधिक सुविधाजनक होता है। साकेत गोखले ने यह भी आरोप लगाया कि इन बलों के प्रमुख के रूप में आईपीएस अधिकारियों को लाकर इन पर राजनीतिक नियंत्रण चाहते हैं। सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) बिल के समर्थन में बोलते हुए भाजपा सांसद अजीत गोपछड़े ने कहा कि पहले जवानों को व्यवस्था से लड़ना पड़ता था लेकिन अब व्यवस्था जवानों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार उन समस्याओं का समाधान दे रही है, जहां पिछली सरकारों ने कमियां छोड़ी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर हुई थी।

अजीत गोपछड़े ने यह भी कहा कि जो लोग इस बिल का विरोध कर रहे हैं, वे राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा राजनीति की चिंता कर रहे हैं। राज्यसभा में सदन के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सदस्य इस बिल पर और गहन जांच चाहते थे, इसलिए इसे समिति को भेजा जाना चाहिए था। नारेबाजी के बीच विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि उन्हें बहस में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले भी विपक्ष को चर्चा में कोई दिलचस्पी नहीं थी। जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष संसदीय प्रक्रिया का सम्मान नहीं करता और उनकी यह कार्रवाई उसी का उदाहरण है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार (30 मार्च 2026) को भी इस बिल पर चर्चा हुई थी, जिसमें विपक्ष ने कहा था कि यह विधेयक संवैधानिक मूल्यों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। विपक्ष ने मांग की थी कि इसे एक चयन समिति के पास भेजा जाए ताकि इसकी विस्तार से जांच हो सके। गुरुवार को यह विधेयक लोकसभा में पेश हो सकता है। इस नए कानून के तहत, सीएपीएफ में आईजी रैंक के 50 फीसदी पद और एडीजी रैंक के कम-से-कम 67 फीसदी पद आईपीएस अधिकारियों के लिए आरक्षित रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को किया फ्लैग ऑफ

जनता ने राजनीतिक कचरा हटाया तो 9 वर्षों में स्वच्छ हुआ उत्तर प्रदेश: सीएम योगी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने जब राजनीतिक कचरे को हटाकर बदलाव की नींव रखी, उसी का परिणाम है कि स्वच्छता के क्षेत्र में डबल इंजन सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रयास सफल रहे और रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले सत्ताधारी दलों को अंधेरा पसंद था, लेकिन हम सूर्य के उपासक हैं और सूर्यवंशी श्रीराम के अनुज लक्ष्मणजी के नाम पर लक्ष्मणपुरी में विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नव निर्माण के 9 वर्षों में आज हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के टॉप-3 शहरों में शामिल हुआ है। अब इस उपलब्धि को नई ऊंचाई देने के लिए हम 'नेट जीरो' लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम हो और प्रदूषण रहित व्यवस्था विकसित हो। इसी दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है, जो स्वच्छ और हरित भविष्य की नींव रखेगी। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से वर्ष 2017 में हमने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया। पहले हैलोजन की पीली लाइटें होती थीं, जो अधिक ऊर्जा खपत करती थीं, बदरंग दिखती थीं और कीड़े-मकोड़ों के कारण उनके नीचे खड़ा होना भी मुश्किल होता था। पिछली सरकारों के लिए यह व्यवस्था इसलिए सुविधाजनक थी, क्योंकि उन्हें बिजली देनी ही नहीं थी। जिनकी आदत डकैती डालना था, उनके लिए अंधेरा ठीक था। लेकिन हमारी सरकार ने तय किया कि बिना भेदभाव के 24 घंटे बिजली मिले और शहर की लाइटिंग भी एक समान, बेहतर और आधुनिक हो। इसी सोच के तहत पूरे शहर को एलईडी लाइटों से "दूधिया रोशनी" में बदलने का कार्य किया गया, ताकि हर नागरिक को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके और अंधेरे की संस्कृति को समाप्त कर सभ्यता और विकास को आगे बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आप उत्तर प्रदेश के किसी भी शहर में जाएं, एलईडी स्ट्रीट लाइटों की दूधिया रोशनी से पूरा शहर जगमगाता दिखाई देता है। नगर निगमों ने भी स्पाइरल लाइट लगाकर शहरों को और सुंदर बनाया है। रात में सड़कों पर सुरक्षित और आकर्षक वातावरण दिखता है।

लखनऊ आने वाले लोग अब इसकी खूबसूरती की सराहना करते हैं। जहां पहले 2017 से पहले अंधेरा, असुरक्षा और सफाई की कमी महसूस होती थी, आज वही शहर रोशनी, स्वच्छता और व्यवस्थित विकास का उदाहरण बनकर सामने आया है। पिछले 9 वर्षों में लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग के साथ-साथ हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। शहर का दायरा बढ़ा है, लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है, मेट्रो संचालन शुरू हुआ है और सड़कों के चौड़ीकरण, जल निकासी तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। आज लखनऊ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के एक उभरते हब के रूप में भी स्थापित हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से 17 नगर निगमों तथा नोएडा-ग्रेटर नोएडा को मिलाकर 18 नगर निकायों को 'सेफ सिटी' के रूप में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए सीसीटीवी कवरेज दिया गया है और अब इन्हें 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सूर्यवंशी श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो गई है। लखनऊ में भी इसी प्रकार सोलर पैनल लगाकर कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 4.25 लाख से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे करीब 1500 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है और लोगों के बिजली बिल आधे से कम हो गए हैं। ऐसे प्रयास न केवल लोगों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि शुद्ध और ग्रीन एनर्जी को भी बढ़ावा देते हैं। अयोध्या में 40 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाकर पूरी प्रकाश व्यवस्था सोलर ऊर्जा से संचालित की जा रही है, जो इसे सोलर सिटी के रूप में स्थापित करती है और प्रभु श्रीराम के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, विशेषकर मेट्रो संचालन में अग्रणी बनकर उभरा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा-ग्रेटर नोएडा सहित 7 शहरों में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कारण यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। केवल लखनऊ में ही प्रतिदिन लगभग एक लाख लोग मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि जनता को सुविधा चाहिए और उसे उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, जिसे सरकार प्रभावी ढंग से निभा रही है। इलेक्ट्रिक बस सेवा का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और सिटी बस सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसों में बदला जा रहा है। शहरों को आपस में जोड़ने और सैटेलाइट सिटी को कनेक्ट करने के लिए भी इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। लखनऊ में अशोक लीलैंड की इलेक्ट्रिक बस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू हो चुकी है। साथ ही 15 अप्रैल से टाटा की लखनऊ स्थित ऑटोमोबाइल यूनिट में भी इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माण को आगे बढ़ाया जाएगा। यह दर्शाता है कि सही दिशा में पहल होने पर निवेशक स्वतः आकर्षित होते हैं और विकास को गति मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन जैसी व्यवस्था सामान्य लगती है, लेकिन 2017 से पहले इसकी सोच भी नहीं थी। सत्ता में बैठे लोगों के कारनामे भी कूड़े से भरे थे। अव्यवस्था और गंदगी का परिणाम इंसेफेलाइटिस, डेंगू, मलेरिया और फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों के रूप में सामने आता था, जिसने उत्तर प्रदेश को बुरी तरह प्रभावित किया। जो राज्य विकास और विरासत का नेतृत्व कर सकता था, वह खुद बीमारू बन गया था, जहां मासूमों की असमय मौतें होती थीं। उस दौर में संवेदनहीनता और उपेक्षा हावी थी, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है और देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना रहा है। हमने बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ कूड़े से उत्पन्न समस्याओं का भी समाधान किया है। जहां स्वच्छता होगी, समृद्धि भी वहीं आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। पिछले दिनों लखनऊ के लोकप्रिय सांसद माननीय राजनाथ सिंह द्वारा 200 से अधिक ऐसे वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई थी, अब 250 नए वाहन लखनऊ के हर वार्ड में लगाए जा रहे हैं, जिससे घर-घर कूड़ा प्रबंधन को और सशक्त किया जाएगा और शहर को क्लीन सिटी, ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में गति मिलेगी। इसी क्रम में गोमती नदी के पुनरुद्धार और कुकरैल क्षेत्र से अतिक्रमण हटाकर 'सौमित्र वन' का विकास किया गया है। जो पहले उपेक्षित क्षेत्र था, आज वहां का परिवर्तित स्वरूप लोगों को आकर्षित कर रहा है और लखनऊ के सकारात्मक बदलाव की पहचान बन चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि हाल में बाहर से आए कुछ लोगों ने 'सौमित्र वन' के बारे में पूछा, तो मैंने बताया कि पहले की सरकारों ने नदी पर अवैध कब्जे कराए थे, उसे हटाकर यह 'सिटी वन' विकसित किया गया है। 'सौमित्र' नाम भगवान लक्ष्मणजी के नाम पर रखा गया है, जो उनके प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। आज यह स्थान लखनऊ की शान बन चुका है। इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ नीरज बोरा, अमरेश कुमार, जय देवी, विधान परिषद के सदस्य इंजीनियर अवनीश कुमार, मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल उपस्थित रहे।

नया शैक्षिक सत्र आज से शुरू, आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जन भवन में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में राज्यपाल ने दिया आशीर्वचन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में आज एक अप्रैल से नए सत्र 2026-27 की शुरुआत हो गयी। नए सत्र के पहले दिन प्रार्थना समय में विद्यार्थियों को प्रेरक प्रसंगों के साथ सकारात्मक संबोधन दिया गया। प्रदेश व्यापी स्कूल चलो अभियान शुरू किया गया है। वहीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं गरिमामयी उपस्थिति में नए सत्र के पहले दिन आज बुधवार को आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जन भवन लखनऊ में शैक्षिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत पूर्व से अध्ययनरत एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 'प्रवेश उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नये शैक्षिक सत्र की तैयारियों के मद्देनजर बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से पूर्व में ही दिशा निर्देश जारी किये जा चुके हैं। इनमें कहा गया है कि विद्यार्थियों में स्क्रीन टाइम कम करने के लिए समाचार पत्र पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रार्थना सभा में समाचार पत्रों के प्रमुख समाचारों को छात्र पढ़कर सुनाएंगे। इसी प्रकार कई अन्य निर्देश हैं। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं गरिमामयी उपस्थिति में नए सत्र के पहले दिन आज बुधवार को आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जन भवन में शैक्षिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत पूर्व से अध्ययनरत एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आज 'प्रवेश उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बैंड की स्वागत धुन प्रस्तुत कर राज्यपाल के अभिनंदन के साथ हुआ। तत्पश्चात राज्यपाल विद्यार्थियों के साथ विद्यालय पहुंचीं, जहां तिलक एवं स्वागत के उपरांत सभी ने स्थान ग्रहण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा "मनुष्य तू बड़ा महान है" प्रार्थना प्रस्तुत की गई। साथ ही कंप्यूटर प्रकोष्ठ द्वारा विद्यालय में प्रवेश हेतु आयोजित नामांकन शिविरों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासित जीवन जीने तथा एक अच्छे व्यक्ति बनने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि जब मैदान में हों, तो खेल गतिविधियों और जब कक्षा में हों, तो पढ़ाई में ध्यान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके भविष्य के सपनों के बारे में संवाद किया। किसी ने फौजी तो किसी ने डॉक्टर, कोई शिक्षक तो कोई वकील, तो किसी ने पुलिस बनने की इच्छा व्यक्त की। राज्यपाल ने कहा कि फौजी बनने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद भी जरूरी है। शरीर मजबूत होना चाहिए, रोज दौड़ना चाहिए। जो डॉक्टर बनना चाहते हैं, उन्हें गणित, विज्ञान, जीव विज्ञान आदि विषयों पर ध्यान देना चाहिए। जो वकील बनना चाहते हैं उन्हें भाषा पर प्रभुत्व होना चाहिए।

मदरसे में लिफ्ट गिरने से एक युवक की मौत

वाराणसी। वाराणसी के एक मदरसे में लिफ्ट गिरने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई और अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। घटना मंगलवार देर रात को भेलूपुर थाना क्षेत्र के रेवड़ी तालाब इलाके में स्थित एक मदरसे में हुई जहां सामुदायिक भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा था और बड़ी संख्या में वहां लोग मौजूद थे। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) गौरव कुमार ने बताया कि दोनों युवक लिफ्ट से नीचे उतर रहे थे, तभी लिफ्ट अचानक अनियंत्रित हो गई और नीचे गिर गई। उन्होंने कहा, "आसिफ आदिल (22) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि हसनैन रजा नाम का दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।" एसीपी ने कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या लिफ्ट के रखरखाव में कोई लापरवाही हुई थी या नहीं। उन्होंने कहा, "घटना के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

लखनऊ, मेरठ और अम्बेडकर नगर कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जांच में सब सामान्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, मेरठ और अम्बेडकरनगर जिले के कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद कचहरी परिसर को खाली करवाकर पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया, लेकिन कोई भी आपत्तिजनक वस्तु अभी नहीं मिली है।

वजीरगंज थाना प्रभारी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ जिला न्यायालय को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद बीडीएस टीम और पुलिस बल ने पूरे परिसर की संघन तलाशी ली, लेकिन कोई सामग्री नहीं मिली।एहितयान कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इससे पहले 13 फरवरी को बम से कोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली थी। मेरठ पुलिस की ओर से जानकारी दी गई है कि फोन के माध्यम से मेरठ कचहरी को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस मामले को गंभीरता से लेकर पूरे कचहरी परिसर को खाली करा लिया गया और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। अदालतों में प्रवेश रोक दिया गया है। पुलिस बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड के साथ सघन तलाशी ली गई, लेकिन कोई भी प्रतिबंधित चीज नहीं मिली है। इधर, पुलिस सर्विलांस की मदद से धमकी देने वाले की तलाश शुरू कर दी है। इस समय कचहरी में कामकाज पूरी तरह से बंद और भारी पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई है। इसी तरह अम्बेडकरनगर जिले के कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी कोर्ट के आधिकारिक ईमेल पर प्राप्त हुई। इसके बाद क्षेत्राधिकारी (सीओ) नितीश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस बल ने न्यायालय भवन, अधिवक्ता चैंबरों, गेट के बाहर खड़े वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन तलाशी ली। सीओ ने बताया कि चेकिंग अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु या बम बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि कचहरी परिसर पूरी तरह से सुरक्षित पाया गया है। कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

साइबर सेल की टीमें ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है जब मेरठ कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले भी इस प्रकार की धमकियां मिल चुकी है। जिला और पुलिस प्रशासन ने लोगों से किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की है।

दुधवा बफर जोन के पास ट्रेन की चपेट में आई बाघिन की मौत

लखीमपुर खीरी। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन में भीखमपुर हॉल्ट के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक बाघिन की मौत हो गई। वन अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दुधवा बफर जोन की उपनिदेशक कीर्ति चौधरी ने बताया कि मैलानी रेंज में गश्ती दल ने एक मृत बाघिन बरामद की है, जिसकी उम्र करीब पांच से छह साल के आसापास होगी। उन्होंने कहा कि बुधवार की सुबह गश्ती दल को रेल पटरी के पास क्षत-विक्षत अवस्था में मृत बाघिन मिली। यह ट्रेन दुर्घटना के कारण मौत का मामला प्रतीत होता है। कीर्ति चौधरी ने कहा कि मौत के सही कारण की पुष्टि पोस्टमॉर्टम जांच के बाद की जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुसार पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर विस्तृत कार्रवाई की जाएगी।

मां विंध्यवासिनी धाम : घटाभिषेक और निकासी पूजन से होगा 'शुद्धि महायज्ञ', तीन अप्रैल को साढ़े तीन घंटे बंद रहेगा मां का कपाट

मीरजापुर। मां विंध्यवासिनी धाम में 3 अप्रैल शुक्रवार को वार्षिक घटाभिषेक और विशेष निकासी पूजन का भव्य आयोजन होगा। इस अवसर पर मां का गंगा जल से अभिषेक कर मंदिर परिसर की शुद्धि की जाएगी, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह है।

इस दिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। विंध्य पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा को हर वर्ष यह परंपरा निभाई जाती है। स्थानीय श्रद्धालु गंगा से मिट्टी के घड़ों में जल भरकर लाते हैं और मां के चरणों में अर्पित करते हैं। इसके साथ ही पूरे मंदिर परिसर को गंगा जल से धोकर पवित्र किया जाता है। उन्होंने बताया कि रात में विशेष निकासी पूजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य वर्ष भर की नकारात्मक शक्तियों को दूर करना होता है। इस अनुष्ठान को देखने और उसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

मंदिर प्रशासन के अनुसार धुलाई और पूजन की प्रक्रिया के चलते शुक्रवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। राजश्री आरती के बाद पुनः दर्शन शुरू होंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन किया गया पूजन और अभिषेक विशेष फलदायी माना जाता है, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

योगी सरकार के निर्देश पर भूसा टेंडर में आई तेजी, कई जिलों में प्रक्रिया जारी

- गोआश्रय स्थलों में भंडारण सुनिश्चित कराने के लिए सरकार का विशेष जोर
- किसानों से सीधी खरीद को बढ़ावा, योगी सरकार ने दिए स्पष्ट निर्देश

लखनऊ। प्रदेश में गोवंश संरक्षण को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। भूसा और साइलेज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। इसके तहत कई जिलों में टेंडर प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है, जबकि 6 जिलों में साइलेज टेंडर की प्रक्रिया पूरी भी कर ली गई है। सरकार ने सभी जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गोआश्रय स्थलों पर चारे की किसी भी प्रकार की कमी न होने पाए। खासतौर पर गर्मी के मौसम को देखते हुए भूसा और साइलेज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

शासन स्तर से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति बनी रहे। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि विभागीय अधिकारियों ने कहा गया है कि जिन जिलों में साइलेज टेंडर पूरे हो चुके हैं, वहां जल्द ही आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। वहीं शेष जिलों में भी टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और अधिकारियों को इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की सख्ती का ही परिणाम है कि इस बार टेंडर प्रक्रिया में देरी नहीं हो रही है। निर्देशों में कहा गया है कि दान एवं क्रय के माध्यम से विशेष भूसा संग्रह अभियान 15 अप्रैल से प्रारंभ किया जाए। प्रत्येक गो-आश्रय स्थल की 4 किलोमीटर परिधि में स्थित गोचर भूमि को सम्बद्ध करते हुए चारा आच्छादन का विस्तार किया जाए।

इस महत्वपूर्ण पहल के तहत योगी सरकार किसानों से सीधे भूसा खरीद को भी बढ़ावा दे रही है। इससे न केवल गोआश्रय स्थलों को समय पर चारा उपलब्ध होगा, बल्कि किसानों को भी उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी अहम माना जा रहा है।

अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि भूसा और साइलेज की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। आपूर्ति किए जाने वाले चारे की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि पशुओं के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। योगी सरकार के इस सक्रिय और सख्त रुख से प्रदेश के गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाएं बेहतर होने की उम्मीद है। साथ ही, समय पर चारा उपलब्ध होने से पशुओं की देखभाल में सुधार होगा और किसानों को भी आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा।

हाईटेंशन लाईन दुरूस्त करते समय करंट से संविदा विद्युतकर्मी की मौत

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बुधवार को संविदा विद्युतकर्मी की हाईटेंशन लाईन ठीक करते समय अचानक करंट आ जाने से खम्भे से गिरकर मौत हो गई। बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों के साथ ग्रामीण आक्रोशित होकर मुआवजे की मांग न मानने तक शव उठाने से इंकार कर दिया।

थाना कल्याणपुर क्षेत्र के अलीपुर मोड़ के पास बिंदकी चौडगरा मार्ग में आज हाईटेंशन विद्युत लाइन के खम्भे में चढ़कर काम कर रहा था। तभी अचानक विद्युत आपूर्ति चालू हो गई, जिससे संविदाकर्मी नोखेलाल राजपूत (40) पुत्र नेपाली राजपूत निवासी ग्राम मौहार थाना कल्याणपुर करंट के चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर थानाध्यक्ष कल्यानपुर सुमित देव पांडे, चौडगरा चौकी इंचार्ज संजय सिंह परिहार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उसी समय क्षेत्रीय विधायक जय कुमार सिंह जैकी निकल रहे थे। उन्होंने अपनी गाड़ी रूककवाई और दुर्घटना के बारे में जानकारी ली।

युवक की मार्ग दुर्घटना में हुई मौत

बिजनौर। थाना स्योहारा अंतर्गत बीती देर रात मंगलवार को एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। स्योहारा नगर निवासी विनीत कुमार (24) किसी कार्य से बीती रात ठाकुरद्वारा रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नल तिराहे के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को बुलाया। एम्बुलेंस के माध्यम से युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तमाम प्रयासों के बावजूद उसे नहीं बचाया जा सका।

उत्तर प्रदेश के अनुदानित मदरसों में मध्याह्न भोजन में 'भ्रष्टाचार' की जांच का आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार से अनुदान प्राप्त सभी मदरसों में मध्याह्न भोजन योजना में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच कराने के आदेश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश मध्याह्न भोजन प्राधिकरण की निदेशक मोनिका रानी ने 23 मार्च को राज्य के सभी जिलाधिकारियों को भेजे गए पत्र में राज्य सरकार से अनुदान पाने वाले सभी 558 मदरसों में मध्याह्न भोजन योजना में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार/अनियमितता की जांच करने के आदेश दिए हैं।

पत्र में अखिल भारतीय पसमांदा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष तलहा अंसारी की ओर से 30 जनवरी को भेजे गये शिकायत पत्र को संलग्न करते हुए कहा गया है कि पत्र में उल्लिखित विवरण की जांच कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। अंसारी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त मदरसों में मध्याह्न भोजन योजना में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने इस आदेश की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत मिली थी कि प्रदेश में सरकार से अनुदान प्राप्त मदरसों में छात्र-छात्राओं को मध्याह्न भोजन योजना के तहत दोपहर मे दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता अच्छी नहीं है।

यह पूछे जाने पर कि क्या शिकायत कुछ मदरसों से संबंधित है और सभी मदरसों में जांच क्यों करायी जा रही है, तो राज्य मंत्री ने कहा कि यह किसी घोटाले की जांच नहीं बल्कि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारियों को जल्द से जल्द जांच कराकर रिपोर्ट देने को कहा गया है। इस बीच, शिकायतकर्ता तलहा अंसारी ने संपर्क किये जाने पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बलरामपुर में तीन अनुदानित मदरसों मदरसा आयशा सिद्दीका, मदरसा दारुल उलूम फारूकिया और मदरसा फज्ले रहमानिया में मध्याह्न भोजन योजना में लगभग आठ करोड़ का घोटाला हुआ था। उन्होंने बताया कि इस मामले में 26 नवंबर 2025 को थाना कोतवाली नगर ,बलरामपुर में 44 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और 12 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई थी। उन्होंने बताया कि मामला उजागर होने पर तीनों मदरसों के प्रधानाचार्यों को निलंबित कर दिया गया था।

अंसारी ने बताया कि इसके अलावा बाराबंकी में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने 16 जुलाई 2025 को एक नोटिस जारी किया था जिसमें कहा गया था कि कुछ अनुदानित मदरसों में मध्याह्न भोजन योजना पर अमल नहीं किया जा रहा है। अंसारी ने कहा कि उन्होंने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से और बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव से जनवरी में शिकायत की थी। उत्तर प्रदेश में करीब 25 हजार मदरसे हैं, जिनमें से 558 को सरकार से अनुदान मिलता है।

IPL: सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केकेआर के स्पिनरों को दिखाना होगा दम

कोलकाता। अपने पहले मैच में हार का सामना करने वाली कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के गुरुवार को यहां होने वाले मैच में अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेंगी। इन दोनों टीम की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन निर्णायक साबित हो सकता है। केकेआर की टीम अपने स्पिनरों की फॉर्म में वापसी को लेकर उत्सुक होगा जबकि सनराइजर्स को भी अपने गेंदबाजी विभाग में काफी सुधार करना होगा।

यह मुकाबला तीन बार के चैंपियन केकेआर के लिए घरेलू मैदान पर होने वाले महत्वपूर्ण दौर की शुरुआत भी है, जिसे आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यहां सात दिन में तीन मैच और फिर 19 अप्रैल को एक और मैच खेलना है। विधानसभा चुनाव के कारण कोलकाता में लगभग एक महीने तक कोई मैच नहीं खेला जाएगा। केकेआर को इसके बाद चार मैच दूसरी टीमों के घरेलू मैदान पर खेलने हैं। उसका अपने घरेलू मैदान पर अगला मैच 16 मई को होगा और ऐसे में उसकी टीम इस चरण में लय हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। ईडन गार्डन्स केकेआर का गढ़ रहा है, जिसने 2008 से यहां खेले गए 95 मैचों में से 54 मैच जीते हैं।

कुछ प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। हर्षित राणा और आकाश दीप बाहर हो चुके हैं जबकि मथीशा पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलना बाकी है। इसके अलावा 25.20 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन फिलहाल केवल बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध हैं। केकेआर के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में स्पष्ट तौर पर नजर आई जहां उसकी टीम 220 रन का बचाव नहीं कर सकी थी। रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन ने केवल 72 गेंद पर 148 रन की साझेदारी की। इस मैच में केकेआर के मुख्य स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को संघर्ष करना पड़ा था जो उनकी टीम के लिए चिंता का विषय होगा। ग्रीन ने पहले मैच में 10 गेंद पर 18 रन बनाए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी प्रबंधन के निर्देशों के कारण उन्होंने गेंदबाजी नहीं की। ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के कारण केकेआर उनकी जगह पर वेस्टइंडीज के रोवमैन पॉवेल को अंतिम एकादश में शामिल करने के बारे में सोच सकता है। पॉवेल ने टी20 विश्व कप में 147.52 के स्ट्राइक रेट से 149 रन बनाए।

उन्होंने भारत के खिलाफ इसी मैदान पर सुपर आठ के मैच में 19 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाए थे। केकेआर इस मैच के लिए टर्निंग विकेट तैयार करने के बारे में सोच रहा है लेकिन तब भी 200 का स्कोर औसत माना जाएगा। केकेआर का कप्तान अजिंक्य रहाणे की अच्छी शुरुआत से हौसला बढ़ा होगा लेकिन उनका बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना चिंता का विषय होगा। मुंबई इंडियंस के खिलाफ रहाणे ने पावर प्ले में 18 गेंदों में 36 रन बनाए, लेकिन उसके बाद अगली 22 गेंदों में केवल 31 रन ही बना सके। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है क्योंकि 2023 से ही रहाणे पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन इसके बाद उनका स्ट्राइक रेट तेजी से गिर जाता है।

सनराइजर्स भी इसी तरह की स्थिति में हैं, क्योंकि उसने अपने अभियान की शुरुआत मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार के साथ की थी। सनराइजर्स के शीर्षक्रम में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे धाकड़ बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन नियमित कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है। उसके गेंदबाज आरसीबी के खिलाफ 201 रन का बचाव नहीं कर पाए थे। कमिंस ने नेट में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया है और वह कुछ सप्ताह बाद टीम से जुड़ सकते हैं।

उनकी अनुपस्थिति में नीतीश कुमार रेड्डी, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल और ईशान मलिंगा को अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभानी होगी।

इस प्रकार है दोनों टीम

कोलकाता नाइट राइडर्सः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उप-कप्तान), फिन एलन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रवींद्र, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक।

सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान), ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, आर. स्मरण, हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कामिंदु मेंडिस, हर्षल पटेल, ब्रायडन कार्से, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, जीशान अंसारी, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, सलिल अरोड़ा, शिवांग कुमार, ओंकार टारमाले, क्रेन्स फुलेट्रा, प्रफुल्ल हिंगे, अमित कुमार, साकिब हुसैन, जैक एडवर्ड्स और पैट कमिंस।

मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा भारत

मुंबई। विश्व चैंपियन भारत इस साल जुलाई में तीन मैचों की अंतरराष्ट्रीय टी20 श्रृंखला खेलने के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में बताया कि भारतीय पुरुष टीम 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे की टीम के खिलाफ तीन मैच खेलेगी।

यह भारत और जिम्बाब्वे के बीच 2026-27 सत्र के लिए निर्धारित की गई दो द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में से पहली श्रृंखला होगी। जिम्बाब्वे अगले साल के शुरू में तीन वनडे मैच की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा। यह मैच तीन, छह और नौ जनवरी को क्रमशः कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में खेले जाएंगे।

भारत ने पिछले महीने अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीता था। इससे पहले भारत 2024 और 2007 में भी टी20 विश्व कप जीत चुका है। भारत ने आखिरी बार 2024 में जिम्बाब्वे का दौरा किया था, जहां उसने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला 4-1 से जीती थी।

सोनी स्पोर्ट्स ने कन्नड़ चैनल शुरू किया

मुंबई। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने बुधवार को अपना कन्नड़ खेल चैनल शुरू करने की घोषणा की, जिससे उसके क्षेत्रीय नेटवर्क का विस्तार हुआ है। सोनी के तमिल और तेलुगु खेल चैनल पहले से ही चल रहे हैं। सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 (कन्नड़) के शुरू होने के साथ सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के अब अंग्रेजी और हिंदी सहित पांच भाषाओं में 11 खेल चैनल हो गए हैं। यह चैनल जून-जुलाई में भारत के सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड दौरे तथा इस साल के आखिर में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के दौरों का भी प्रसारण करेगा। जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों का प्रसारण भी इसी नेटवर्क पर किया जाएगा, जिसमें 41 खेल शामिल हैं।

इटली लगातार तीसरी बार फीफा वर्ल्ड कप से बाहर प्लेऑफ में बोस्निया से पेनल्टी शूटआउट में मिली हार

जेनिका। चार बार की विश्व चैंपियन इटली राष्ट्रीय फुटबॉल टीम एक बार फिर फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही है। यूरोपीय प्लेऑफ मुकाबले में इटली को 66वीं रैंकिंग वाली बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा।

मुकाबले की शुरुआत में मोइज कीन ने गोल कर इटली को बढ़त दिलाई, लेकिन पहले हाफ में ही सेंटर-बैक अलेसांद्रो बास्तोनी को रेड कार्ड मिलने से टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। इसका फायदा उठाते हुए बोस्निया के सब्स्टीट्यूट हारिस तबाकोविक ने 79वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया, जिससे मैच अतिरिक्त समय में चला गया। अतिरिक्त समय में भी कोई नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा, जहां इटली को हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ ही इटली लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गई है। इससे पहले टीम को पिछले दो वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेऑफ में स्वीडन और नॉर्थ मैसिडोनिया के हाथों बाहर होना पड़ा था। 1934, 1938, 1982 और 2006 में खिताब जीत चुकी इटली अब कम से कम 16 साल तक वर्ल्ड कप में एक भी मैच खेले बिना रह सकती है। टीम का खराब प्रदर्शन 2010 और 2014 वर्ल्ड कप से ही शुरू हो गया था, जहां वह ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी थी। हालांकि, इटली ने 2021 में यूरोपीय चैम्पियनशिप जीतकर वापसी की झलक जरूर दिखाई थी।

इटली का आखिरी वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच 2006 में था, जब उसने फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीता था। 1958 के बाद यह पहली बार है जब इटली इतनी बार वर्ल्ड कप में क्वालीफाई करने में असफल रही है, जिससे टीम के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मंगलवार को यहां खेले गए आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पंजाब किंग्स ने इस मैच में गुजरात टाइटन्स को तीन विकेट से हराकर आईपीएल 2026 में जीत से शुरुआत की। आईपीएल ने कहा कि आईपीएल की न्यूनतम ओवर रेट से जुड़ी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था, इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।" तेज गेंदबाज वैशाक विजयकुमार और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने मिलकर पांच विकेट लिए, जिससे पंजाब ने गुजरात टाइटन्स को छह विकेट पर 162 रन पर रोक दिया। पंजाब ने 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

यशोधरा राजे सिंधिया ईएफआई का संचालन करने वाले आईओए तदर्थ समिति का नेतृत्व करेंगी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) के कामकाज को चलाने के लिए चार सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया है। यह फैसला दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों पर किया गया है।

आईओए के 27 मार्च के कार्यालय आदेश के अनुसार तदर्थ समिति की अध्यक्षता यशोदरा राजे सिंधिया करेंगी, जबकि अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी महसंघ (एफईआई) के निदेशक (शासन) फ्रांसिस्को लीमा, अधिवक्ता विदुषपत सिंघानिया और कर्नल अशोक यादव इसके सदस्य होंगे। आईओए ने कहा कि ईएफआई का संचालन करने और स्वतंत्र रूप से चुनाव कराकर कार्यकारिणी गठित करने के लिए तत्काल प्रभाव से समिति का गठन किया गया है। यह कदम दिल्ली उच्च न्यायालय के 18 फरवरी के फैसले के बाद उठाया गया है, जिसमें अदालत ने आईओए को एक तदर्थ समिति गठित करने का निर्देश दिया था, क्योंकि ईएफआई की कार्यकारी समिति का कार्यकाल सितंबर 2023 में समाप्त हो गया था। तब से ईएफआई में चुनाव लंबित हैं, जिसके कारण न्यायिक हस्तक्षेप की नौबत आई। इससे पहले अदालत ने पेरिस 2024 ओलंपिक में खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक अस्थायी व्यवस्था के रूप में पूर्व की कार्यकारी समिति को बहाल करने की अनुमति दी थी। अदालत ने इसके साथ स्थायी समाधान निकाले जाने की बात भी कही थी।

आईओए के आदेश के अनुसार, तदर्थ समिति कार्यवाहक निकाय के रूप में कार्य करेगी, जिसके पास ईएफआई के खातों के संचालन, प्रतियोगिताओं के आयोजन और चयन प्रक्रियाओं की देखरेख सहित पूर्ण प्रशासनिक, वित्तीय और नियामक नियंत्रण होगा। समिति को ईएफआई के संविधान को राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और 2026 के नियमों के अनुरूप तैयार करने, सदस्यता संरचना का पुनर्गठन करने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने का भी कार्य सौंपा गया है। समिति को दो महीने के भीतर संविधान और उपनियमों को अंतिम रूप देना होगा और उसके बाद 30 दिन के अंदर चुनाव की अधिसूचना जारी करनी होगी। आईओए ने स्पष्ट किया कि तदर्थ समिति केवल नई कार्यकारिणी के कार्यभार संभालने तक ही बनी रहेगी, जिसके बाद यह भंग हो जाएगी।

ईएफआई कार्यकारी समिति के कुछ फैसलों पर हाल में सवाल उठे थे जिनमें यौन उत्पीड़न के मामले में जमानत पर चल रहे तरसेम सिंह वारैच को जनवरी में जॉर्डन में विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाना भी शामिल है।

एटीएफ की कीमतें दोगुनी हुईं; घरेलू विमानन कंपनियों के लिए सिर्फ 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी

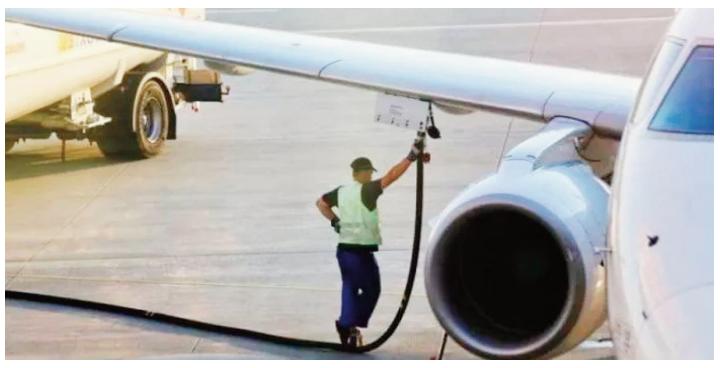

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में आए उछाल के कारण एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमत बुधवार को बढ़ाकर रिकॉर्ड 2.07 लाख रुपये प्रति किलोलीटर से अधिक कर दी गई। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू विमानन कंपनियों पर इस वृद्धि का काफी कम बोझ डाला है। इसे वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में आए उछाल से निपटने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण कहा जा रहा है।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के अनुसार, घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमत में सिर्फ 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। उन्हें विमान ईंधन 104,927.18 रुपये प्रति किलोलीटर की कीमत पर मिलेगा। दिल्ली में घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमत 8,289.04 रुपये प्रति किलोलीटर या 8.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे कीमत बढ़कर 104,927.18 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। पिछले महीने यह 96,638.14 रुपये प्रति किलोलीटर थी। घरेलू विमानन कंपनियों को अन्य संचालकों की तुलना में करीब आधी कीमत चुकानी होगी। गैर-निर्धारित (नॉन-शेड्यूल्ड), तदर्थ (एडहॉक) और 'चार्टर' जैसी अन्य उड़ानों के लिए एटीएफ की कीमत 1,10,703.08 रुपये प्रति किलोलीटर से 114.5 प्रतिशत बढ़ाकर 2,07,341.22 रुपये प्रति किलोलीटर की गई है। इसके साथ ही, वाणिज्यिक एलपीजी (19 किलोग्राम के सिलेंडर) की कीमतों में 195.50 रुपये की वृद्धि की गई है। देश में बिकने वाले चुनिंदा प्रीमियम या ब्रांडेड पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ाए गए हैं। इस प्रकार के ईंधन का इस्तेमाल दो से पांच प्रतिशत तक है। इससे 'एक्स्ट्रा ग्रीन' डीजल की कीमत 1.50 रुपये बढ़कर 92.99 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं 100 ऑक्टेन पेट्रोल (एक्सपी100) की कीमत 11 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 160 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। सामान्य या बिना ब्रांड वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित हैं। घरेलू खाना पकाने वाली गैस एलपीजी की दरें भी यथावत हैं। विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी कि भारत में एटीएफ की कीमतें 2001 में नियंत्रण मुक्त कर दी गई थीं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के एक सूत्र के आधार पर मासिक आधार पर संशोधित की जाती हैं। मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में असाधारण स्थिति के कारण, घरेलू बाजारों के लिए एटीएफ की कीमत में एक अप्रैल को 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद थी।

इसमें कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी वृद्धि से घरेलू यात्रा लागत को बचाने के लिए, पेट्रोलियम कंपनियों ने नागर विमानन मंत्रालय के परामर्श से विमान कंपनियों पर केवल आंशिक एवं चरणबद्ध तरीके से 25 प्रतिशत (केवल 15 रुपये प्रति लीटर) की वृद्धि लागू की है। विदेशी मार्गों पर उड़ान भरने वाले यात्रियों को एटीएफ की कीमतों में पूरी वृद्धि का भुगतान करना होगा, जो कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भुगतान की जाने वाली कीमतों के अनुरूप है।

नागर विमानन मंत्रालय मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के घरेलू विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन की कीमतों में आंशिक एवं चरणबद्ध बढ़ोतरी लागू करने का फैसला यात्रियों को हवाई किराये में तेज वृद्धि से बचाने में मदद करेगा। मंत्री ने कहा कि सुनियोजित दृष्टिकोण यात्रियों को किराये में अचानक होने वाली वृद्धि से बचाने, घरेलू विमानन कंपनियों पर बोझ कम करने और इस महत्वपूर्ण समय में विमानन क्षेत्र की स्थिरता बनाए रखने में सहायक होगा। इससे माल की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करके और व्यापार एवं लॉजिस्टिक के लिए महत्वपूर्ण हवाई संपर्क बनाए रखने से अर्थव्यवस्था को व्यापक स्तर पर लाभ होगा।

वित्त वर्ष के पहले दिन शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 1,187 अंक चढ़ा

मुंबई। चालू वित्त वर्ष के पहले दिन स्थानीय शेयर बाजार में तेजी रही और बीएसई सेंसक्स 1,187 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 348 अंक की बढ़त में रहा। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त में रहे। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,186.77 अंक यानी 1.65 प्रतिशत बढ़कर 73,134.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय इसमें 2,017.03 अंक की तेजी दर्ज की गई और यह 73,964.58 अंक पर पहुंच गया था।

पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 348 अंक यानी 1.56 प्रतिशत चढ़कर 22,679.40 अंक पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भी बाजार की धारणा को मजबूती दी। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक और इटर्नल प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एनटीपीसी, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख था। अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को तेजी थी।

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, "भारतीय शेयर बाजारों ने नए वित्त वर्ष में सकारात्मक शुरुआत की। पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आने और ऊर्जा आपूर्ति में समस्या कम होने की उम्मीदों के कारण शेयर बाजारों में तेजी आई।" उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी ने बाजारों में तेजी लाने का काम किया। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ समझौता हो या नहीं, अमेरिका ईरान से बाहर निकल सकता है। इससे वैश्विक जोखिम वाली परिसंपत्तियों में व्यापक राहत मिली।

आईनॉक्स क्लीन एनर्जी ने वाइब्रेंट एनर्जी का अधिग्रहण किया पूरा

नई दिल्ली। आईनॉक्स क्लीन एनर्जी ने मैक्वेरी कॉरपोरेट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य शेयरधारकों से वाइब्रेंट एनर्जी का अधिग्रहण 5,000 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर पूरा कर लिया है। आईनॉक्स क्लीन एनर्जी ने बुधवार को बयान में कहा कि वैश्विक विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) परिवेश में उतार-चढ़ाव के बावजूद यह अधिग्रहण रिकॉर्ड चार महीनों में पूरा किया गया। कंपनी ने कहा कि वाइब्रेंट एक विविधीकृत नवीकरणीय ऊर्जा स्वतंत्र बिजली उत्पादक है, जिसके पास कुल 1,337 मेगावाट की क्षमता का खंड है। वाइब्रेंट की नवीकरणीय ऊर्जा परिसंपत्तियां मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में फैली हुई हैं। इस मंच के पास

सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों के लिए बढ़ाया एकमुश्त विशेष राहत उपाय

नई दिल्ली। सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के लिए कुछ शुल्क लाभों के रूप में एकमुश्त विशेष राहत उपाय की घोषणा की है। यह कदम वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच इन क्षेत्रों में स्थित इकाइयों को सहारा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह छूट हालांकि केवल उन्हीं इकाइयों को मिलेगी जिन्होंने 31 मार्च 2025 या उससे पहले वस्तुओं का उत्पादन शुरू कर दिया था। राजस्व विभाग ने 31 मार्च की अधिसूचना में यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि यह अधिसूचना एक अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी।

इकाइयों को हालांकि यह भी साबित करना होगा कि जिन वस्तुओं पर इस छूट अधिसूचना के तहत लाभ का दावा किया गया है, वे निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करती हैं। साथ ही जिन वस्तुओं के लिए इस अधिसूचना के तहत छूट का दावा किया जाएगा वे एसईजेड की इकाई द्वारा निर्मित हों और उनमें कम से कम 20 प्रतिशत मूल्य संवर्धन हुआ हो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 का बजट पेश करते हुए एक एकमुश्त विशेष उपाय का प्रस्ताव किया था, ताकि एसईजेड की पात्र विनिर्माण इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) में रियायती शुल्क दरों पर बिक्री करने की सुविधा मिल सके। यह प्रस्ताव वैश्विक व्यापार में व्यवधान के कारण एसईजेड की विनिर्माण इकाइयों की क्षमता उपयोग से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए लाया गया था। उन्होंने कहा था कि ऐसी बिक्री की मात्रा उनके निर्यात के एक निर्धारित अनुपात तक सीमित रहेगी। यह इन क्षेत्रों की लंबे समय से मांग रही थी, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण वे अपने अतिरिक्त उत्पादन का निर्यात बढ़ाने में सक्षम नहीं थे। एसईजेड की इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए या घरेलू बाजार) में अपने उत्पाद बेचने की अनुमति है लेकिन इसके लिए उन्हें आयात शुल्क का भुगतान करना होता है।

इस फैसले पर लेखा एवं परामर्श कंपनी ग्रांट थॉर्नटन भारत के साझेदार एवं अप्रत्यक्ष कर तथा भारत निवेश सलाहकार विभाग के प्रमुख कृष्ण अरोड़ा ने कहा कि रियायती शुल्क विभिन्न क्षेत्रों में 6.5 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत के बीच है। इसमें मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) दोनों में कमी शामिल है जो उत्पाद के अनुसार अलग-अलग है। उन्होंने कहा, " फिलहाल यह लाभ 2026-27 के लिए है लेकिन अनिश्चित परिस्थितियों को देखते हुए इसे एक वर्ष या उससे अधिक समय के लिए बढ़ाने पर पुनर्विचार किया जा सकता है।" वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक फरवरी को कहा था कि कई इकाइयों के पास अतिरिक्त क्षमता है और यह घोषणा उन्हें रियायती शुल्क पर घरेलू बाजार में बिक्री करने में मदद करेगी, जिससे आयात कम होगा। इन क्षेत्रों को सीमा शुल्क (व्यापार एवं आयात शुल्क) से संबंधित कानूनों के लिए विदेशी क्षेत्र माना जाता है और शुल्क-मुक्त घरेलू बिक्री पर प्रतिबंध रहता है। एसईजेड में काम करने वाली कंपनियों को कच्चे माल और घटकों का आयात शुल्क-मुक्त करने की अनुमति होती है लेकिन इस शर्त के साथ कि उनसे तैयार वस्तुएं भारत से बाहर निर्यात की जाएंगी।

हालांकि, वे लागू शुल्क का भुगतान कर घरेलू बाजार में भी बिक्री कर सकती हैं। इन क्षेत्रों से कुल निर्यात 2024-25 में 7.37 प्रतिशत बढ़कर 172.27 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। देश में 276 चालू एसईजेड हैं जिनमें 6,279 इकाइयां कार्यरत हैं।

कोल इंडिया की इकाई एसईसीएल का उत्पादन 2025-26 में 5% से अधिक बढ़ा

नई दिल्ली। कोल इंडिया की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) का उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में 5.26 प्रतिशत बढ़ा। इस दौरान कोयले की आपूर्ति की मात्रा (ऑफटेक) में वृद्धि, बढ़ती ऊर्जा मांग के बीच स्थिर प्रगति का संकेत देती है। एसईसीएल ने बुधवार को बयान में कहा, 2025-26 में कुल कोयला उत्पादन 17.62 करोड़ टन (एमटी) रहा, जो 2024-25 के 16.74 करोड़ टन की तुलना में 5.26 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का कोयला 'ऑफटेक' 2025-26 में 17.86 करोड़ टन रहा, जबकि 2024-25 में यह 17.07 करोड़ रहा था।

वहीं खदानों से 36.43 करोड़ घन मीटर 'ओवरबर्डन' हटाने के साथ एसईसीएल ने अब तक का सर्वाधिक ओबीआर हासिल किया। कोयला जमीन के काफी नीचे होता है। कोयले की परत तक पहुंचने के लिए उसके ऊपर जो मिट्टी, पत्थर, रेत या चट्टानें होती हैं उन्हें 'ओवरबर्डन' कहा जाता है। बयान में कहा गया कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने 2025-26 में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और वह कोल इंडिया लिमिटेड की एकमात्र ऐसी अनुषंगी कंपनी बनकर उभरी है जिसने तीनों प्रमुख प्रदर्शन मानकों कोयला उत्पादन, 'ऑफटेक' और 'ओवरबर्डन' हटाने (ओबीआर) में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

एसईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा कि अनेक परिचालन और भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद कंपनी के कर्मचारियों ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया जिससे उत्पादन, 'ऑफटेक' और 'ओवरबर्डन' हटाने में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित हुई। उन्होंने कहा, " 2025-26 में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की यह उपलब्धि प्रत्येक कर्मचारी के समर्पण, कड़ी मेहनत और 'टीम' भावना का परिणाम है।

28 साल बाद फिर साथ आएंगे नागार्जुन और तब्बू

'किंग 100' से लौटेगी सुपरहिट जोड़ी

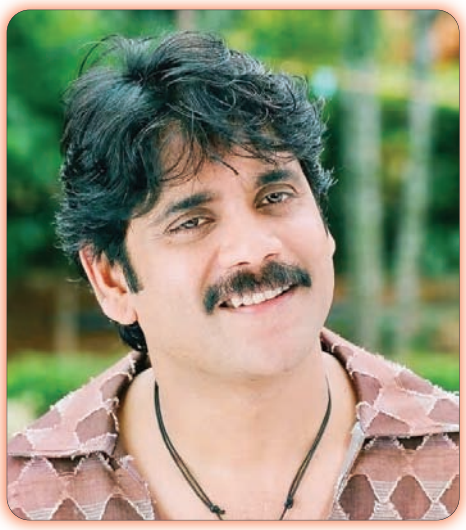

मुंबई। अपनी 100वीं फिल्म 'किंग 100' में 28 साल बाद तब्बू के साथ ऑनस्क्रीन वापसी करेंगे। रा कार्तिक के निर्देशन में बन रही यह फिल्म माता-पिता और बेटी की कहानी पर आधारित है। साउथ सुपरस्टार नागार्जुन और बॉलीवुड की दमदार अभिनेत्री तब्बू एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सितारे नागार्जुन की 100वीं फिल्म किंग 100 में साथ काम करेंगे। इस खबर ने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, क्योंकि यह जोड़ी करीब 28 साल बाद पर्दे पर साथ दिखेगी। 90 के दशक में नागार्जुन और तब्बू की जोड़ी काफी पॉपुलर रही थी। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इतना ही नहीं, दोनों के रिश्ते को लेकर भी उस समय काफी चर्चाएं होती थीं। हालांकि, समय के साथ दोनों अपने-अपने रास्तों पर आगे बढ़ गए, लेकिन अब 'किंग 100' के जरिए उनकी वापसी फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है। फिल्म 'किंग 100' का निर्देशन रा कार्तिक कर रहे हैं। यह फिल्म एक भावनात्मक कहानी पर आधारित बताई जा रही है, जो एक माता-पिता और बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमेगी। इस फिल्म में नागार्जुन अलग-अलग उम्र के किरदार में नजर आएंगे 25 साल से लेकर 60 साल तक। इसके लिए फिल्म में डी-एजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जो इसे और भी खास बनाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब तब्बू को नागार्जुन की 100वीं फिल्म के बारे में पता चला, तो उन्होंने खुद इसका हिस्सा बनने की इच्छा जताई। नागार्जुन ने भी बताया कि उनका रिश्ता बहुत पुराना है और वे एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। उनकी यह आपसी समझ और केमिस्ट्री फिल्म में देखने को मिल सकती है, जो दर्शकों के लिए खास अनुभव होगा। फिल्म में नागार्जुन और तब्बू के अलावा सुष्मिता भट्ट और विजयेन्द्र भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। गौरतलब है कि दोनों को आखिरी बार 1998 की फिल्म आविदा मां आविदे में साथ देखा गया था। इसके बाद अब इतने लंबे अंतराल के बाद उनकी वापसी फैंस के लिए बेहद खास मानी जा रही है। कुल मिलाकर, 'किंग 100' सिर्फ नागार्जुन के करियर की माइलस्टोन फिल्म ही नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक जोड़ी की वापसी भी साबित हो सकती है।

'राजा शिवाजी' का टीजर रिलीज, रितेश देशमुख का जलवा

अभिनेता रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। टीजर में रितेश, छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में बेहद प्रभावशाली और दमदार नजर आ रहे हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन, जेनेलिया डिसूजा, विद्या बालन, फरदीन खान और बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। वहीं संजय दत्त मुगल सेनापति अफजल खान के किरदार में दिखाई दे रहे हैं। टीजर की शुरुआत संजय दत्त की दमदार आवाज से होती है, जिसमें वह कहते हैं, ₹नाम के आगे राजा लगाने से कोई राजा नहीं बनता है।₹ इसके बाद मराठाओं और मुगलों के बीच भीषण युद्ध के दृश्य देखने को मिलते हैं, जो फिल्म के भव्य स्तर और एक्शन को दर्शाते हैं। टीजर में अभिषेक बच्चन संभाजी शाहजी भोसले के किरदार में नजर आते हैं, जबकि विद्या बालन भी अपने किरदार से खास प्रभाव छोड़ती दिखती हैं। हालांकि, टीजर देखने के बाद कुछ दर्शकों ने इसकी तुलना छावा से भी की है। सोशल मीडिया पर यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं, जहां कुछ लोग रितेश के इस अवतार की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ का मानना है कि विक्की कौशल की 'छावा' को टक्कर देना आसान नहीं होगा।

'धुरंधर 2' का जलवा कायम

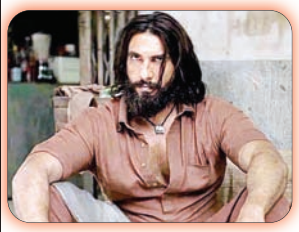

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म हर दिन नए आंकड़े छू रही है और घरेलू के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। जहां दुनियाभर में फिल्म 1,400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है, वहीं भारत में भी यह 1,000 करोड़ क्लब के बेहद करीब पहुंच गई है। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने 12वें दिन 25.30 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जिसके बाद 13वें दिन इसमें उछाल देखने को मिला और इसने 27.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 899.92 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का अगला लक्ष्य अब 1,000 करोड़ क्लब में एंट्री करना है, जिसे यह जल्द ही हासिल कर सकती है। दूसरी ओर, पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' का प्रदर्शन लगातार कमजोर होता जा रहा है। अच्छी ओपनिंग के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक नहीं पाई और 'धुरंधर 2' के सामने फीकी पड़ती नजर आ रही है।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म में शामिल हुए सुनील शेट्टी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी अब जल्द ही टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। खास बात यह है कि सुनील पहले जैकी श्रॉफ के साथ 'बाजः ए बर्ड इन डेंजर' और 'बॉर्डर' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं और अब उनके बेटे टाइगर के साथ उनकी जोड़ी बन रही है। इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के बीच उत्साह देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक बड़े स्तर की एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें टाइगर मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं किया गया है। निर्माताओं ने सुनील शेट्टी के किरदार को फिलहाल गुप्त रखा है, लेकिन माना जा रहा है कि वह फिल्म में अहम भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म की शूटिंग 10 अप्रैल से मुंबई में शुरू होने की संभावना है। इसके लिए गोरेगांव और मलाड में भव्य सेट तैयार किए जा रहे हैं। मेकर्स की योजना जुलाई 2026 तक फिल्म की शूटिंग पूरी करने की है। फिल्म का निर्देशन सचिन रवि करेंगे, जिन्होंने 2019 में रिलीज रक्षित शेट्टी की फिल्म 'अवने श्रीमननारायण' से पहचान बनाई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर इन दिनों राज मेहता की फिल्म 'लग जा गले' में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जान्हवी कपूर और लक्ष्य लालवानी नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास राम माधवानी की फिल्म 'वज्र' भी है, जिसका हाल ही में ऐलान किया गया है।